

बॉर्डर न्यूज मिरर

“खबरों से समझौता नहीं”

पटना, वर्ष: 7 , अंक: 218 , सोमवार, 21 सितंबर 2026 मूल्य: 5:00, पृष्ठ:8 9471060219, 9470050309 www. bordernewsmirror@gmail.com

दिल्ली छात्रसंघ चुनाव में एबीवीपी की बड़ी जीत पर मोतिहारी में जश्न

03

दो डिसमिल जमीन के विवाद में मासूम की मौत, ईंट से हमला करने का आरोप

04

बिग बॉस20 : किचन के काम को लेकर आम्रपाली दुबे और माही...

07



308 पहिए, 200 टन वजन और बेल्टजियम से यूपी का सफर! पुल से उड़ी, हवा में पलटी और कंस्ट्रक्शन साइट पर जा गिरी

● बिहार की सड़क पर उतरा ‘जॉयंट ट्रक’, रोकनी पड़ गई रेलगाड़ी

सुरक्षित रास्ते के लिए उठाए गए विशेष कदम

पटना (एजेंसी)। बिहार के औरंगाबाद जिले स्थित बारण में उस वकत कौतुहल की स्थिति बन गई, जब 308 पहियों वाला एक विशालकाय ट्रक सड़क पर आ पहुंचा। ये ट्रक बेल्टजियम से समुद्र के रास्ते ओडिशा पहुंचा था और वहां से सड़क मार्ग के जरिए उत्तर प्रदेश के बलरामपुर स्थित चीनी मिल में 200 टन वजनी शुगर मिल वेसल ले जा रहा था। अत्यधिक ऊंचाई और बड़े आकार (कंसाइनमेंट) के कारण यह रेलवे ओवरब्रिज के नीचे से नहीं निकल पा रहा था। इसे सुरक्षित निकालने के लिए रेलवे और तकनीकी टीमों को स्पेशल सर्विस लेन बनाने और बिजली के तार हटाने जैसे इंतजाम करने पड़े। ये भारी-भरकम शुगर मिल वेसल समुद्री मार्ग से भारत लाया



गया था। ओडिशा से उत्तर प्रदेश के बलरामपुर की ओर जा रहे इस काफिले के लिए इतने भारी कंसाइनमेंट को सड़क मार्ग से निकालना एक बड़ी तकनीकी चुनौती थी। अधिक ऊंचाई की वजह से सामान्य पुलों से इसे गुजरना संभव नहीं हो पा रहा था।

विशालकाय ट्रक को देखने उमड़ी ग्रामीणों की भीड़

जैसे ही स्थानीय लोगों को 308 पहियों वाले इस अनोखे ट्रक और विशालकाय मशीन की खबर मिली, ओवरब्रिज के आसपास ग्रामीणों का हुजूम जमा हो गया। लोगों ने बताया कि उन्होंने अपने इलाके में पहली बार ऐसा विशाल कंसाइनमेंट देखा है। पूरी प्रक्रिया के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल भी तैनात रहा।

कंसाइनमेंट को निकालने के लिए रेलवे की बिजली आपूर्ति को अस्थायी रूप से बंद किया गया। रास्ते में बाधा बन रहे बिजली के तारों और कुछ पुलों के हिस्सों को अस्थायी रूप से हटाया गया। ओवरब्रिज के नीचे से सुरक्षित निकासी के लिए एक विशेष सर्विस लेन तैयार की गई। पूरी प्रक्रिया के दौरान तकनीकी विशेषज्ञ और स्थानीय प्रशासन के अधिकारी मौके पर मुस्तैद रहे। सोननगर जंक्शन के प्रबंधक संजय पासवान के अनुसार, ओवरब्रिज के नीचे बिजली सप्लाई बंद रखे जाने की वजह से सोननगर-जपला बीडी रेल लाइन पर ट्रेन सेवाएं लगभग तीन घंटे तक प्रभावित रही। जब विशाल मशीन का हिस्सा सुरक्षित रूप से पुल पार कर आगे रवाना हो गया, तब पावर सप्लाई बहाल की।

मुंबई में बीएमडब्ल्यू कार पलाईओवर से 75 फीट नीचे गिरी

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के कोस्टल रोड पर रविवार सुबह करीब 5.20 बजे तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू पलाईओवर से करीब 75 फीट नीचे जा गिरी। हदसे में कार सवार तीन युवकों की मौत हो गई। एक युवक गंभीर रूप से घायल है। चारों की उम्र 17 से 23 के बीच थी। बीएमडब्ल्यू मरीन ड्राइव से हाजी अली की ओर जा रही थी। पुलिस के मुताबिक, तेज रफ्तार के कारण ड्राइवर ने कार पर से नियंत्रण खो दिया। इसके बाद बीएमडब्ल्यू ड्रिवाइडर से टकराई और नीचे गिर गई। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। मृतकों की पहचान शनाय गज्जल (21), आदित्य जकसानिया (19) और धैर्य सेठ (17) के रूप में हुई है।



संक्षिप्त समाचार

सिया ने दोस्त की फोटो लगाकर फेक इंस्टा-आईडी बनाई बर्थडे सरप्राइज के बहाने सिया ने मंगोतर को लोहगढ़ बुलाया

पुणे (एजेंसी)। कैतन अग्रवाल हत्या मामले में पुणे पुलिस ने 5,053 पत्रों की चार्जशीट दाखिल कर दी है। इसके मुताबिक आरोपी सिया गोयल ने चेतन और रिंतेश के साथ मिलकर फेक इंस्टाग्राम अकाउंट बनाया था। जिसके जरिए कैतन को लोहगढ़ बुलाया गया था। पुलिस के मुताबिक इंस्टा अकाउंट में परिचित महिला की फोटो लगाई थी। इससे कैतन को मैसूर किया गया। उसे 18 जून को मंगोतर सिया के



सरप्राइज बर्थडे के नाम पर लोहगढ़ बुलाया गया। घटना के बाद इसे डिलीट कर दिया गया। चार्जशीट के मुताबिक, आरोपियों ने हत्या से जुड़ी फिल्में देखी, साजिश के लिए चैट जीपीटी का इस्तेमाल किया और पुलिस से बचने के तरीकों पर पॉडकास्ट सुने। सिया गोयल, चेतन चौधरी और रिंतेश हांगे तीनों आरोपी न्यायिक हिरासत में हैं। तीनों पुणे की यरवदा सेंट्रल जेल में बंद हैं। 18 जून को कैतन का शव मिला- सिया और कैतन 18 जून को पुणे के लोहगढ़ किले पर घूमने गए थे। इसी दौरान कैतन की खाई में गिरने से मौत हो गई। शुरुआत में इसे हादसा माना गया। सिया ने दावा किया कि चट्टान के पास फोटो खिंचवाते समय कैतन का पैर फिसल गया और वह नीचे गिर गया।

डिवाइडर से टकराने के बाद वोल्वो कार में लगी आग

तेलंगाना में मशहूर न्यूरोसर्जन डॉ के जगदीश बाबू जिंदा जले

सूर्यपेट (एजेंसी)। तेलंगाना के सूर्यपेट जिले में रविवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। पिल्लालामरी के पास एनएच-365पर खम्मम के मशहूर न्यूरोसर्जन डॉ के जगदीश बाबू की वोल्वो कार सड़क के डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर के तुरंत बाद कार में आग लग गई। कार में आग लगने से डॉक्टर की जलकर मौत हो गई। यह हादसा सुबह करीब 7.15 बजे हुआ। बताया जा रहा है कि डॉ. जगदीश बाबू खम्मम से हैदराबाद जा रहे थे। वहां



उनका परिवार रहता है। खम्मम रुरल सर्फिल इस्पेक्टर जी राजशेखर के अनुसार, शुरुआती जांच में पुलिस को आशंका है कि नींद पूरी न होने के कारण चालक का कार पर नियंत्रण बिगड़ा होगा। इसके बाद कार डिवाइडर से टकरा गई। पुलिस के मुताबिक, टक्कर के साथ ही कार में आग लग गई और कुछ ही मिनटों में आग ने पूरी गाड़ी को अपनी चपेट में ले लिया। डॉक्टर अंदर फंस गए और उनकी मौके पर ही जलकर मौत हो गई।

रूस में संसदीय चुनाव के बीच दागे 1000 से ज्यादा ड्रोन

यूक्रेन का मॉस्को पर अब तक का सबसे बड़ा हमला

यूक्रेन के कब्जे वाले इलाकों में भी चुनाव

मॉस्को (एजेंसी)। यूक्रेन की सेना ने रात भर रूस को निशाना बनाकर 1,000 से अधिक ड्रोन हमले किए। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। रूस की राजधानी मॉस्को के मेयर ने बताया कि यह मॉस्को पर “अब तक का सबसे बड़ा” हमला है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसके बलों ने पूरे देश के साथ-साथ रूस के कब्जे वाले यूक्रेनी प्रायद्वीप क्रीमिया और काला सागर के जलक्षेत्र में यूक्रेन के 1,100 ड्रोन मार गिराए। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने कहा कि



रूस की राजधानी की ओर बढ़ रहे 450 ड्रोन को नष्ट कर दिया गया। उन्होंने कहा कि कुछ ड्रोन मॉस्को तेल रिफाइनरी और एक आवासीय इमारत से टकराए। यूक्रेन का यह

बड़ा हमला युद्ध के दौरान रूस में हो रहे पहले संसदीय चुनाव के तीसरे और आखिरी दिन हुआ है। इस चुनाव में पुतिन की नीतियों का विरोध करने वाले लड़ रहे हैं।

सीपीएम दफ्तरों में तोड़फोड़, पूर्व एमएलए के घर पर भी हमला

● कोलकाता के जादवपुर में हिंसा, अज्ञात बाइक सवारों ने किया खेला

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के जादवपुर इलाके में रविवार को भारी हिंसा और तोड़फोड़ की खबर सामने आई है। मोटरबाइक पर सवार अज्ञात उपद्रवियों के एक झुंड ने सीपीएम के कई पार्टी दफ्तरों को निशाना बनाया और पूर्व तृणमूल कांग्रेस विधायक देबब्रत मजुमदार के घर व पार्टी ऑफिस पर भी हमला कर दिया। पुलिस के मुताबिक, कोलकाता नगर निगम के 6 अलग-अलग वार्डों वार्ड संख्या 96, 99, 101, 102, 105 और 106 में सीपीएम के दफ्तरों में तोड़फोड़ की गई है। उपद्रवियों ने सीपीएम के पार्टी झंडों को नॉचकर जमीन पर फेंक दिया और कई जगहों पर शहीदों की वेदी को भी नुकसान पहुंचाया। इतना ही नहीं सबसे ज्यादा तनाव वार्ड नंबर 96 में देखने को मिला, जहां पूर्व टीएमसी विधायक देबब्रत मजुमदार का घर पर हमला किया गया।



जंगल में घुसी पुलिस तो फटी रह गई ‘आंखें’

● जमीन के भीतर गड़ा मिला नक्सलियों का बड़ा खजाना ● एके-47 के साथ ड्रम में भरकर रखे थे सोने के बिस्किट

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बस्तर संभाग में सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। कड़े एंटी-नक्सल अभियानों के दौरान पुलिस ने जंगलों में बने नक्सलियों के कई गुप्त ठिकानों से भारी मात्रा में सोना बरामद किया है। पिछले दो सालों में पुलिस ने कम से कम 8 किलो सोना जब्त किया है, जिसमें से अधिकांश हालिया महीनों में बिरकुट के रूप में मिला है। यह सोना बीजापुर जिले के बासागुड़ा



और कुटूरू तथा दत्तेवाड़ा के बारसूर के नीचे प्लास्टिक के ड्रमों और जैसे दूर-दराज के इलाकों में जमीन बर्तनों में छुपाकर रखा गया था।

पैसे की जगह इस्तेमाल करते थे सोने के सिक्के

पुलिस के मुताबिक, कई मौकों पर तो नकदी के बजाय सिंधे अपने खास नेताओं या कैड्स को खर्च चलाने के लिए सोने का बिरकुट थमाया जाता था। हालांकि, सुरक्षा एजेंसियों के लिए इन सभी ड्रंप तक पहुंचना आसान नहीं है। कई गुप्त ठिकानों की जानकारी केवल केन्द्रीय समिति के कुछ चुनिंदा शीर्ष नेताओं को ही थी, जिनमें से कई मारे जा चुके हैं। अब पुलिस पपा राव जैसे आत्मसमर्पण कर चुके स्पेशल जोनल कमेटियों के कैड्स की मदद से बाकी बचे ड्रंपों का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

अब स्वदेशी हाई-स्पीड बुलेट ट्रेन बनाएगा भारत

2030 तक 350 किलोमीटर प्रतिघंटे वाली ट्रेन करेगा विकसित

जापान की ई-10 सीरीज ट्रेनों को देगी टक्कर, मिल गई है मंजूरी



भारत खुद डेवलप करेगा अपना सिस्टम

मंत्रालय ने कहा है कि देश में बनी बी 28 हाई-स्पीड ट्रेनों का मैनुफैक्चरिंग शुरू कर दी गई है और भारत अपना खुद का भारत ट्रेन कंट्रोल सिस्टम भी विकसित करेगा। यह कदम चीन के अपने सिग्नलिंग और ट्रेन कंट्रोल सिस्टम जैसा ही है, जो पारंपरिक और हाई-स्पीड रेल नेटवर्क पर स्पीड, ट्रेनों के बीच की दूरी और सुरक्षा को मैनेज करता है। मंत्रालय के अनुसार, प्रोजेक्ट की लागत में पहले के 1.1 लाख करोड़ रुपये से जो भारी बढ़ोतरी हुई है, उसकी मुख्य वजह-जमीन अधिग्रहण की लागत का तीन गुना से ज्यादा बढ़कर लगभग 19,700 करोड़ रुपये हो जाना। इंफ्रास्ट्रक्चर की लागत में लगभग 50 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ यह 1 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो जाना।

शुरुआत में चलेंगी बी 28 ट्रेनें

भविष्य में आने वाली जापानी ट्रेनों को छोड़कर, प्रोजेक्ट की मौजूदा लागत लगभग 399 करोड़ रुपये प्रति किलोमीटर बैठती है। शुरुआत में मुंबई-अहमदाबाद कॉरिडोर पर बी 28 ट्रेनें चलेंगी जिनकी डिजाइन स्पीड 280 केएमपीएच होगी, जबकि उनकी ज्यादा से ज्यादा ऑपरेटिंग स्पीड 249 केएमपीएच होगी। बीएमईएल को 32 बी 28 ट्रेनें बनाने का कॉन्ट्रैक्ट मिला है। उम्मीद है कि 2027 की पहली तिमाही तक ट्रायल रन के लिए दो प्रोटोटाइप ट्रेनें तैयार हो जाएंगी। बीएमईएल ने शुक्रवार को बीएसएफ को बताया कि उसे 15 और बी 28 ट्रेनें बनाने के लिए 5,400 करोड़ रुपये का एक अलग कॉन्ट्रैक्ट मिला है। पूरे 508 किमी. लंबे हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर को 2030 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

राहुल गांधी को पार्टी छोड़कर स्टैंड-अप कॉमेडियन बनना चाहिए

● महाराष्ट्र सीएम देवेंद्र फडणवीस का बड़ा

अटैक, छात्रों की गुंज पर घेरा

नागपुर (एजेंसी)। इंदौर में राहुल गांधी के छात्रों की गुंज कार्यक्रम के दौरान की गई मिमिक्री को लेकर महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने उनपर निशाना साधा है। फडणवीस ने नागपुर मीडिया से बातचीत के दौरान राहुल गांधी और कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जो मिमिक्री कर रहे हैं, मैं तो ऐसा मानता हूँ कि राहुल गांधी जो की पार्टी को छोड़कर स्टैंड-अप कॉमेडियन बनना चाहिए। क्योंकि उनकी पार्टी को तो उन्होंने बेरोजगार कर दिया है। अब कम से कम स्टैंड-अप कॉमेडियन का रोजगार उन्हें मिले। बता दें कि राहुल गांधी के छात्रों की गुंज कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के तौर-तरीकों और सार्वजनिक रूप से उनके पेश आने वाले अंदाज की मिमिक्री की गई थी। परफॉर्मर ने पीएम मोदी की खास हंसी, हाथों के इशारों और लोगों का अभिवादन करने और गले मिलने के तरीके की नकल की।



आरटीआई से लेकर मौलिक अधिकारों तक दी गई जानकारी, नागरिकों को कर्तव्यों के प्रति भी किया जागरूक



बीएनएम@ मोतिहारी

जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पूर्वी चम्पारण, मोतिहारी के तत्वावधान में रविवार को एनपीएस, बिरता टोला, वार्ड संख्या- 29, रघुनाथपुर में विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय “सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 एवं नागरिकों के मौलिक कर्तव्य” रहा। कार्यक्रम में पैनल अधिवक्ता पुनम कुमारी वर्मा एवं उज्ज्वल कुमार ने उपस्थित लोगों को सरल एवं व्यवहारिक भाषा में कानूनी अधिकारों, संवैधानिक कर्तव्यों तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकार की भूमिका की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत नागरिक लोक प्राधिकरणों के पास उपलब्ध सरकारी अभिलेखों एवं सूचनाओं की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। सरकारी योजनाओं, आवेदन, निर्माण कार्य, स्वीकृत राशि, कार्यदेश, भुगतान विवरण अथवा लंबित आवेदनों से संबंधित सूचना संबंधित लोक सूचना पदाधिकारी (PIO) से मांगी जा सकती है। लोगों को बताया गया कि आरटीआई आवेदन के लिए कठिन कानूनी भाषा की आवश्यकता नहीं होती और सामान्यतः सूचना मांगने का कारण बताया भी आवश्यक नहीं है। सामान्य मामलों में सूचना उपलब्ध कराने की समय-सीमा 30 दिन, जबकि जीवन या स्वतंत्रता से संबंधित मामलों में 48 घंटे निर्धारित है। कार्यक्रम में संदेश दिया गया कि “सूचना से जागरूकता आती है, जागरूकता से जवाबदेही आती है और जवाबदेही से लोकतंत्र मजबूत होता है।” अधिवक्ताओं ने भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकारों की भी जानकारी दी। समानता, स्वतंत्रता, जीवन एवं व्यक्तिगत स्वतंत्रता, शिक्षा, शोषण के विरुद्ध अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता, सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक अधिकार तथा संवैधानिक उपचार के अधिकारों को उदाहरण सहित समझाया गया। लोगों को बताया गया कि कानून की नजर में सभी व्यक्ति समान हैं तथा जाति, धर्म, लिंग या जन्मस्थान के आधार पर अनुचित भेदभाव संविधान के मूल सिद्धांतों के विपरीत है। बच्चों के संदर्भ में 6 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा के संवैधानिक प्रावधानों की

जानकारी दी गई। मानव तस्करी, बेगार एवं जबरन मजदूरी के निषेध तथा बच्चों को खतरनाक रोजगार से संरक्षण संबंधी प्रावधानों पर भी प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में संविधान के अनुच्छेद 51A के तहत नागरिकों के मौलिक कर्तव्यों पर विशेष चर्चा हुई। संविधान, राष्ट्रध्वज एवं राष्ट्रगान का सम्मान करने, देश की एकता एवं अखंडता बनाए रखने, सामाजिक सद्भाव एवं भाईचारा बढ़ाने, महिलाओं की गरिमा का सम्मान करने, सांस्कृतिक विरासत एवं पर्यावरण की रक्षा करने, वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने तथा सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा करने के लिए लोगों को प्रेरित किया गया। अभिभावकों को बताया गया कि 6 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों को शिक्षा का अवसर उपलब्ध कराना भी संवैधानिक कर्तव्य है। इस दौरान कहा गया कि “अधिकार और कर्तव्य एक-दूसरे के पूरक हैं।” कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकार (DLSA) द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली विधिक सेवाओं की जानकारी भी दी गई। बताया गया कि आर्थिक, सामाजिक अथवा अन्य कठिनाइयों के कारण कोई पात्र व्यक्ति न्याय से वंचित न रहे, इसके लिए पात्र लोगों को निःशुल्क विधिक सलाह, अधिवक्ता की सहायता, न्यायालयीन कार्यवाही में कानूनी सहायता तथा लोक अदालत के माध्यम से समझौता योग्य विवादों के समाधान जैसी सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। इसके अलावा असंगठित क्षेत्र के कामगारों, वरिष्ठ नागरिकों, बच्चों, एसिड अटैक पीड़ितों, दिव्यांग एवं विशेष आवश्यकता वाले व्यक्तियों तथा विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों से संबंधित विधिक सेवा योजनाओं की भी जानकारी दी गई। जरूरतमंद लोगों को विधिक सहायता के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पूर्वी चम्पारण, मोतिहारी से संपर्क करने की सलाह दी गई। साथ ही NALSA की टोल-फ्री कानूनी सहायता हेल्पलाइन 15100 की जानकारी भी साझा की गई। कार्यक्रम के अंत में लोगों से अपने अधिकारों को जानने, संवैधानिक कर्तव्यों का पालन करने, कानून का सम्मान करने तथा किसी भी कानूनी समस्या की स्थिति में समय पर विधिक सहायता प्राप्त करने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम का समापन “न्याय सबके लिए” की भावना के साथ हुआ।

13.71 करोड़ के पुल के एप्रोच पथ में 20 दिन में दार, धंसी सड़क

» उद्घाटन से पहले भाजपा विधायक कृष्णनंदन पासवान ने समर्थकों संग लिया था जायजा, अब निर्माण गुणवत्ता पर उठे सवाल

बीएनएम@ मोतिहारी , राकेश कुमार

धनौती नदी पर मजुराहा-हरदिया के बीच करीब 13.71 करोड़ रुपये की लागत से बने आरसीसी पुल के एप्रोच पथ में उद्घाटन के महज 20 दिन बाद ही दारार और धंसाव सामने आने से निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार एप्रोच पथ में ही आई खराबी ने नई चिंता पैदा कर दी है।

उद्घाटन से पहले विधायक ने लिया था जायजा-खास बात यह है कि पुल के उद्घाटन से पहले भाजपा विधायक कृष्णनंदन पासवान ने अपने समर्थकों के साथ मौके का जयजा लिया था। उस दौरान उन्होंने निर्माण कार्य और क्षेत्र में हुए विकास कार्यों की सराहना की थी। अब उद्घाटन के कुछ ही दिनों बाद एप्रोच पथ में दारार और धंसाव सामने आने के बाद निर्माण की गुणवत्ता



पुल शुरू होने से पहले लोगों को लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी। जिस सड़क का निर्माण हाल ही में पूरा हुआ और जिसका उद्घाटन भी बड़े स्तर पर किया गया, उसके एप्रोच पथ में इतनी जल्दी दारार आना गंभीर जांच का विषय है। लोगों ने सवाल उठाया है कि एप्रोच पथ में मिट्टी भराई, रोलिंग और बेस की मजबूती का काम तय मानकों के अनुरूप किया गया था या नहीं।

बारिश में बढ़ सकता है धंसाव का खतरा-ग्रामीणों के मुताबिक एप्रोच पथ के एक हिस्से में धंसाव के साथ सड़क के किनारे दरारें दिखाई दे रही हैं। लोगों को

को लेकर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि जिस सड़क का निर्माण हाल ही में पूरा हुआ और जिसका उद्घाटन भी बड़े स्तर पर किया गया, उसके एप्रोच पथ में इतनी जल्दी दारार आना गंभीर जांच का विषय है। लोगों ने सवाल उठाया है कि एप्रोच पथ में मिट्टी भराई, रोलिंग और बेस की मजबूती का काम तय मानकों के अनुरूप किया गया था या नहीं।

बारिश में बढ़ सकता है धंसाव का खतरा-ग्रामीणों के मुताबिक एप्रोच पथ के एक हिस्से में धंसाव के साथ सड़क के किनारे दरारें दिखाई दे रही हैं। लोगों को

बंजरिया परियोजना में बिना टीएचआर वितरण एफआरएस कराने के आरोप की होगी जांच : डीपीओ राज कृष्ण झा

बीएनएम@ मोतिहारी

जिला के बंजरिया बाल विकास परियोजना में बिना टीएचआर (टेक होम राशन) वितरण किए पोषण ट्रैकर के माध्यम से अगस्त-सितंबर माह का एफआरएस (फेस रिकग्निशन सिस्टम) कराने के आरोप की जांच होगी। जिला प्रोग्राम पदाधिकारी (आईसीडीएस) -सह-सहायक समाहर्ता राजकृष्ण झा ने शिकायत के आलोक में मामले की जांच कर विभागीय नियमानुसार विधिसम्मत कार्रवाई करने की बात कही है। यह शिकायत बिहार आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ की पूर्वी चंपारण जिला अध्यक्ष -सह-बंजरिया प्रखंड अध्यक्ष प्रियंका कुमारी ने सहयोग पोर्टल एवं सोशल मीडिया के माध्यम से जिला प्रोग्राम पदाधिकारी को दी है। उक्त शिकायत में बंजरिया परियोजना में पोषाहार वितरण में अनियमितता का आरोप लगाते हुए मामले की बिंदुवार जांच करने और सभी पात्र लाभुकों को पोषाहार उपलब्ध कराने की मांग की गई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि बंजरिया की सीडीपीओ



जयश्री दास द्वारा कुछ आंगनबाड़ी केंद्रों को पोषाहार मद में 500 से 1,000 रुपये तक की राशि भेजी गई, जिससे केंद्र पर आने वाले बच्चे पोषाहार से वंचित हो रहे हैं। साथ ही, आधार अपडेट नहीं होने के कारण जिन लाभुकों का एफआरएस नहीं हो पाया, उन्हें भी पोषाहार से वंचित किए जाने का आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि अगस्त 2026 के टीएचआर/पोषाहार राशि की निकासी एवं वितरण संबंधी आदेश नहीं होने के बावजूद कुछ सेविकाओं पर दबाव बनाकर पोषण ट्रैकर पर टीएचआर वितरण की प्रविष्टि कराई गई। आरोप है कि ऐसा करने से मना करने वाली सेविकाओं का पोषाहार काट दिया गया।

शिकायत में इसे विभागीय निर्देशों के प्रतिकूल बताते हुए वास्तविक वितरण की जांच की मांग की गई है। प्रियंका कुमारी ने आवंटन में विलंब की स्थिति में पूर्व की तरह भौतिक सत्यापन कर पोषाहार वितरण पंजी में प्रविष्टि करने तथा 100 प्रतिशत पात्र लाभुकों को पोषाहार उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। उन्होंने बिना राशन दिए एफआरएस कराने की प्रक्रिया भी रोक लगाने की मांग की है। वहीं जिला प्रोग्राम पदाधिकारी (आईसीडीएस) -सह-सहायक समाहर्ता राजकृष्ण झा ने कहा कि बंजरिया परियोजना में बिना टीएचआर वितरण किए पोषण ट्रैकर से अगस्त-सितंबर माह का एफआरएस कराने के आरोप की जांच कराई जाएगी। जांच के बाद विभागीय नियमानुसार विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। वहीं, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी जयश्री दास ने शिकायत में लगाए गए आरोपों को निराधार बताया है। उन्होंने कहा कि विभागीय निर्देश के अनुसार पोषण ट्रैकर पर एफआरएस के अनुपात में टीएचआर वितरण के लिए राशि भेजी गई है।

पांच द्विवर्सीय आर्ट कार्निवल में सजेगा साहित्य और संस्कृति का रंग



» आगामी 25 से 29 अक्टूबर तक नगर भवन मैदान में होगा आयोजन, पुस्तक मेला से लेकर कवि सम्मेलन व मुशायरा तक होंगे कार्यक्रम

बीएनएम@ मोतिहारी

रोशनाई फाउंडेशन की ओर से आगामी 25 से 29 अक्टूबर तक शहर के नगर भवन मैदान में पांच दिवसीय ‘आर्ट कार्निवल- 2026’ का आयोजन किया जाएगा। आयोजन में साहित्य, कला और संस्कृति की विविध विधाओं का संगम देखने को मिलेगा। कार्यक्रम की तैयारियों और रूपरेखा की जानकारी देने के लिए आइएमए हॉल में शुक्रवार को प्रेस वार्ता आयोजित की गई। फाउंडेशन के अध्यक्ष अनिल वर्मा ने बताया कि आर्ट कार्निवल के माध्यम से पूरे उत्तर बिहार को एक साझा सांस्कृतिक

मंच से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। पांच दिनों तक प्रतिदिन विभिन्न साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि कार्निवल में पुस्तक मेला, लोक कला एवं लोक संगीत, नाटक, कला प्रदर्शनी, कवि सम्मेलन, मुशायरा, बच्चों के लिए कविता वाचन और कथा वाचन समेत कई कार्यक्रम होंगे। आयोजन का उद्देश्य विशेष रूप से युवाओं और बच्चों को कला एवं साहित्य की विभिन्न विधाओं से जोड़ना है। फाउंडेशन के सचिव सह मैनेजिंग ट्रस्टी गुलरेज शहजाद ने बताया कि कार्निवल के तहत पुस्तक मेAला, लिटरचर फेस्टिवल, ड्रामा फाउंडेशन के ट्रस्टी रवीश मिश्रा व अन्य अनंत, कार्यक्रम समन्वयक सुदीप कुमार, आयोजन समिति के सदस्य साजिद राजा, सुधीर गुप्ता, कलम सलमन और मंजीत प्रकाश सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

से जुड़े लोगों के बीच संवाद और रचनात्मक आदान-प्रदान का मंच तैयार होगा। उन्होंने कहा कि आयोजन के जरिए युवा पीढ़ी को राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने के साथ स्थानीय कलाकारों को प्रोत्साहित करने का प्रयास है। इसके माध्यम से सांस्कृतिक पर्यटन और स्थानीय रचनात्मक अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने की दिशा में भी पहल की जाएगी। आर्ट कार्निवल के अवसर पर एक विशेष स्मारिका का भी प्रकाशन किया जाएगा। इसमें आयोजन से संबंधित विषयों के अलावा कला, साहित्य और संस्कृति से जुड़ी सामग्री को स्थान दिया जाएगा। प्रेस वार्ता में फाउंडेशन के ट्रस्टी रवीश मिश्रा व अन्य अनंत, कार्यक्रम समन्वयक सुदीप कुमार, आयोजन समिति के सदस्य साजिद राजा, सुधीर गुप्ता, कलम सलमन और मंजीत प्रकाश सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

दिल्ली छात्रसंघ चुनाव में एबीवीपी की बड़ी जीत पर मोतिहारी में जश्न



बीएनएम@ मोतिहारी

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की बड़ी जीत के बाद मोतिहारी में कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक जश्न मनाया। रविवार को शहर के राजा बाजार स्थित स्वामी विवेकानंद पार्क में स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा के समक्ष एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की खुशी साझा की। उक्त अवसर पर मोतिहारी के उपमहापौर डॉ. लाल बाबू प्रसाद, नगर अध्यक्ष प्रभात शक्ति, राज्य विश्वविद्यालय -सह- संयोजक राम सिंह एवं विभाग संयोजक आयुष किशन ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद सदैव विद्यार्थियों के हितों के लिए संघर्ष करती रही है। उन्होंने कहा कि छात्रहित से जुड़े मुद्दों को लेकर परिषद आगे भी निरंतर सक्रिय भूमिका निभाती रहेगी। वक्ताओं ने विश्वी नेताओं पर भी निशाना साधा और कहा कि विद्यार्थी देशहित एवं राष्ट्रहित के मुद्दों को सिंह, ऋतुभ झा, संजय चौधरी, दलों के कथित भ्रामक प्रचार से प्रभावित होने वाले नहीं हैं। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने संगठन के समर्थन में नारे लगाए और दिल्ली छात्रसंघ चुनाव में मिली जीत को लेकर अपनी खुशी का इजहार किया।

नवोन्मेष 2026 में मीडिया अध्ययन विभाग के विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

शिवम सिंह मिस्टर फ़ेशर और दृष्टि मिस फ़ेशर

बीएनएम@ मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के मीडिया अध्ययन विभाग के सीनियर विद्यार्थियों की ओर से आयोजित ‘नवोन्मेष 2026’ कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपनी कला और प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान यूजी-पीजी एकीकृत पाठ्यक्रम के प्रथम सेमेस्टर के छात्र शिवम सिंह को मिस्टर फ़ेशर और छात्रा दृष्टि को मिस फ़ेशर चुना गया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में वरिष्ठ पत्रकार आलोक कुमार मिश्र और उप मुख्यमंत्री के पूर्व प्रेस सलाहकार राकेश प्रवीर ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष और बिहार लोक सेवा आयोग के पूर्व सदस्य प्रो. अरुण कुमार भगत ने की। स्वागत भाषण वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. अंजनी कुमार झा ने दिया। कार्यक्रम संयोजक डॉ. साकेत रमण ने बताया कि सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बाद प्रदर्शन के आधार पर मिस्टर फ़ेशर और मिस फ़ेशर का चयन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने समूह नृत्य, एकल नृत्य, संगीत, भाषण, कविता, नाटक और मोनोएक्ट के माध्यम से अपनी प्रतिभा दिखाई। बीजेएमसी सातवें सेमेस्टर की छात्रा आर्या ने बिहार के लोकनृत्य कजरी की प्रस्तुति दी। मुस्कान ने गणेश वंदना और ‘ताल से ताल मिला’ पर नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। एंजेल ने ‘अभी तो पाटी शुरू हुई है’ पर सोलो डांस किया, जबकि श्वेता प्रिया ने मैशअप पर प्रस्तुति दी। नवप्रवेशित विद्यार्थियों में जिया और दृष्टि ने भी मैशअप गानों पर सोलो डांस प्रस्तुत किया। पंचम सेमेस्टर की श्रेया, अर्पिता, आरुषि और प्रिया की प्रस्तुति ने भी दर्शकों का मनोरंजन किया। छात्र कमलेश ने अपना स्वरचित गीत ‘मुनिया’ प्रस्तुत किया। गीत के माध्यम



से उन्होंने बेटियों की शिक्षा के महत्व का संदेश दिया। बीजेएमसी पांचवें सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने ग्रुप डांस प्रस्तुत किया। भाषण और एक्सटेम्पोर में विद्यार्थियों ने सामाजिक मुद्दों, पत्रकारिता और युवाओं से जुड़े विषयों पर अपने विचार रखे। विभाग के पीएचडी शोधार्थी आकाश कुमार ने राधा-कृष्ण पर केंद्रित मोनोएक्ट प्रस्तुत किया। नवप्रवेशित विद्यार्थियों की ओर से प्रस्तुत नाटक ने भी दर्शकों का मनोरंजन किया। निष्पत्तिक मंडली के सदस्य डॉ. युगल किशोर दाधीच, डॉ. अभय विक्रम सिंह और डॉ. रश्मि श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि हार-जीत से अधिक महत्वपूर्ण मंच पर आवर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करना है। कार्यक्रम के अंत में विभागाध्यक्ष प्रो. अरुण कुमार भगत, वरिष्ठ आचार्य डॉ. अंजनी कुमार झा, कार्यक्रम संयोजक डॉ. साकेत रमण, डॉ. सुनील दीपक घोड़ेक, डॉ. उमा यादव, डॉ. मयंक भारद्वाज और निर्णायक मंडल के सदस्यों ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को मेहंते देकर सम्मानित किया। मंच संचालन रविशंकर मिश्रा, अपूर्वा त्रिवेदी, नीतीश कुमार, आर्या, नेहाल, मुस्कान, प्राची और शुभम ने किया। कार्यक्रम में स्नातक तृतीय, पंचम, सप्तम तथा स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता रही। धन्यवाद ज्ञापन सहायक प्राध्यापक डॉ. मयंक भारद्वाज ने किया।

पूर्वी चंपारण : मौत की ‘एक्सप्रेस-वे’ बनी सड़कें, 9 वर्ष में 3192 की मौत



बीएनएम@ संजय कौशिक

मोतिहारी। बिहार का पूर्वी चंपारण जिला आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां रफ्तार का जुनून जिंदगी पर भारी पड़ रहा है। “सड़क दुर्घटनाओं” के हालातिया आंकड़े हृदय विदारक हैं। वर्ष 2025 में जिला में अपने ही पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ते हुए सड़क दुर्घटना में हुई मौतों ने 28% की भारी वृद्धि दर्ज की है। गुजरे एक वर्ष में प्रत्येक 2 दिनों में औसतन 3 लोगों की किसी न किसी सड़क पर जान जाती रही है। सड़क हादसों के राष्ट्रीय रिकॉर्ड के अनुसार देश के सबसे अधिक सड़क दुर्घटना वाले सी जिलों की सूचि में पूर्वी चंपारण का शामिल होना आंकड़ों की भयावहता को रेखांकित करता है। सड़क हादसों की देशव्यापी सूचि में बिहार 15 वें और मौतों के मामले में 10 वें स्थान पर है, जबकि बिहार के 6 सर्वाधिक दुर्घटना वाले जिलों की सूचि में पटना, मुजफ्फरपुर, सारण (छपरा), गया

और नालंदा के साथ पूर्वी चम्पारण शामिल है। वाहनों की तेज रफ्तार में रोज यहां किसी न किसी की जिन्दगी पीछे छूट जाती है। पूर्वी चंपारण में 2017 से 2025 के महज 9 वर्षों में हुई 3978 सड़क दुर्घटनाएं हुईं। इन दूर घटनाओं में 3192 लोगों की जान चली गयी और 2290 लोग मौत से संघर्ष में कामयाब रहे। हां ये बात अलग है कि जो लोग इन हादसों से उबर कर अपनों के बीच लौट पाएं वे अपने जीवन की तमाम जमा-पूंजी लुटा कर लौटें। कईयों को तो इन हादसों ने आजीवन अपंग बना दिया। इन हादसों के जिम्मेवार मुख्य कारको में तेज रफ्तार, सुरक्षा मानकों की अनदेखी, चौक-चौराहों पर अनियंत्रित परिचालन, गलत लेन में वाहन संचालन और वाहन चलाने के दौरान मोबाइल का इस्तेमाल की मुख्य भूमिकाएं रहीं। जिला के सड़क हादसों के हालात को तहसील फिराकी के ये शब्द बयां करते हैं, “मुझ सा अंजान किसी मोड़ पे खो सकता है, हादसा कभी भी इस शहर में हो सकता है।”

आंकड़ों की नजर में 2017 में 261, 2018 में 314, 2019 में 406, 2020 में 372, 2021 में 447, 2022 में 544, 2023 में 511, 2024 में 514 और 2025 में 609 सड़क हादसे हुए। इन हादसों के दौरान 2017 में 166 की मौत और 103 घायल, 2018 में 207 की मौत और 138 घायल, 2019 में 278 की मौत और 294 घायल, 2020 में 287 की मौत और 312 घायल, 2021 में 447 की मौत और 342 घायल, 2022 में 442 की मौत और 300 घायल, 2023 में 410 की मौत और 308 घायल, 2024 में 419 की मौत और 264 घायल एवं गुजरे वर्ष 2025 में 536 कई मौत हुई और 229

घायल हुए। 2025 के सरकारी आंकड़े बताते हैं कि शहरी क्षेत्र से अधिक ग्रामीण क्षेत्रों में हुई सड़क दुर्घटनाओं में लोगों की जान गयी। इन मौतों में सर्वाधिक मौतें शाम 6 बजे से रात 9 बजे के बीच होने वाली दुर्घटनाओं में हुईं। इनमें से सर्वाधिक 227 ग्रामीण सड़कों और राष्ट्रीय राजमार्गों पर 121 मौतें हुईं। निर्जन खुली सड़कों पर सर्वाधिक 173 मौतें और रिहायशी क्षेत्रों की सड़कों में 80 लोगों की जान गयीं। केंद्र एवं राज्य की सरकारों ने 21 विन्दुओं पर जिलावार रिपोर्ट बनाने का निर्देश दे रखा है। लेकिन देश के सर्वाधिक सर्वाधिक सड़क दुर्घटना वाले एक सौ जिलों की सूचि में शामिल पूर्वी चंपारण में 3 माह गुजरेने के बाद भी 2025 के आंकड़ों का समायोजन नहीं किया जा सका है। ऐसा उस स्थिति में है जब एक पखवाड़ा पूर्व 28 सड़क सुरक्षा की बैठक में स्थानीय सांसद राधामोहन सिंह बढती सड़क दुर्घटनाओं पर गहरी नाराजगी जता चुके हैं। यहां जिंदगी पूरी तरह मौत के आंकड़ों में भी दर्ज नहीं हो पाती और सरकार की फाइलों में ही गुम होकर रह जाती है। यही कारण है कि 2022 में सरकार की सड़क दुर्घटना मुआवजा की नीति प्रभावी होने के बाद इन 4 वर्षों में 2025 तक 1807 मौतें और 1101 के घायल होने के बाद भी न मुआवजा के लिए क्लेम की संख्या नागण्य है। जिला परिवहन विभाग के अनुसार 1 जनवरी 2022 से 3 मार्च 2025 तक ऐसे महज 436 ही क्लेम प्राप्त हुए हैं। सरकार की जिम्मेवार तंत्रों को पूर्वी चंपारण में होने वाली ये मौतें न तो आंकड़ों में उपस्थिति दर्ज कराने लायक नजर आती है और न मुआवजा के काबिल। पूर्वी चंपारण में विगत वर्ष 2025 में प्रत्येक माह सड़क हादसों में 44.66 लोगों

के नाम के पहले स्वर्गीय शब्द जुड़ा और तकरीबन 12 लोग घायल हुए। हद तो यह है कि प्रत्येक वर्ष इन आंकड़ों की डरावने अंजदज में तुलनात्मक औसत वृद्धि हो रही है। विगत 2017 से 2025 के बीच महज 9 वर्षों में सड़क हादसों में 2.33 गुणा और मौतों में 3.22 गुणा वृद्धि रिकॉर्ड की गई है। केवल 2020 में 2019 की तुलना में 8.30 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी। जबकि 2018 में इन हादसों में 20.31, 2019 में 29.30, 2021 में 20.20 वृद्धि दर्ज की गयी है। 2022 से 2024 के बीच 3 वर्षों तक थोड़ा उतारवा-चढ़ाव के साथ मौत का सिलसिला समानांतर चलता रहा लेकिन 2025 में पिछले तमाम अपने ही रिकॉर्ड को ध्वस्त कर मौत ने 28 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करायी है। जिला की सड़कों पर नाचती मौत ने जिन्दगी को महज आंकड़ा बना दिया है। ये आंकड़े, जो रोज किसी न किसी घर में मोहामा मचाते हैं। टूटती चुड़ियां, धुलता सिंदूर, सूने होते आंचल और अनाथ होते बच्चों की चित्कार इन आंकड़ों का कभी हिस्सा नहीं बन पायी। सड़क हादसों ने सांसें पर मौत का पहरा बिठा रखा है। अनमोल है जिंदगी, फिर भी बेमोल जा रही है। पूर्वी चम्पारण में आदमी सड़कों पर खहरों का खिलाड़ी बनकर निकलता है। सलामत लौटने की गारंटी नहीं। यहां रोज कोई न कोई सफेद चादर में लिपटकर घर लौटता है। जख्मों से रिसते लहू पर पट्टी बांध कर कराहते हुए घर लौटने वालों की तादात इनसे कहीं ज्यादा है। इन कारणों के अतिरिक्त ट्रामा सेन्टरों की अनुपलब्धता और गोल्डेन आवर के बाद अस्पताल पहुंचने की विवशता सड़कों पर नाचती मौत की खुराक बनी है। हर दिन यहां गुजरे कल के आंकड़ों में कोई न कोई नया नाम जुड़ जाता है।

संक्षिप्त समाचार

प्रशांत किशोर ने पूर्व मंत्री जमशेद अशरफ से की मुलाकात

बीएनएम@ बेगूसराय। जनसुराज नेता एवं बांकीपुर विधायक प्रशांत किशोर रविवार को बेगूसराय पहुंचे और बिहार सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं बिहार राज्य हज्र कमेटेई के पूर्व अध्यक्ष जमशेद अशरफ से उनके मुंगेरगंज स्थित आवास पर मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच काफी देर तक देश और बिहार की वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों सहित विभिन्न समसामयिक मुद्दों पर बातचीत हुई। बताया जाता है कि प्रशांत किशोर की जमशेद अशरफ से यह मुलाकात व्यक्तिगत एवं औपचारिक थी। हालांकि, बिहार की मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों के बीच दोनों नेताओं की मुलाकात को लेकर राजनीतिक विलयारों में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। जमशेद अशरफ ने मुलाकात के बाद कहा कि वर्तमान समय में बिहार की राजनीति में लोगों को स्पष्ट दिशा नजर नहीं आ रही है। उन्होंने कहा कि बिहार के लोग लंबे समय से बेहतर बदलाव और विकास की उम्मीद लगाए हुए हैं। उन्होंने प्रशांत किशोर के नेतृत्व को लेकर उम्मीद जताते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में बिहार की तकदीर एक बार फिर बदल सकती है। वहीं, प्रशांत किशोर ने भी बिहार के मौजूदा राजनीतिक और सामाजिक परिदृश्य को लेकर अपनी बात रखी। दोनों नेताओं के बीच हुई बातचीत को हालांकि औपचारिक मुलाकात बताया गया,लेकिन राजनीतिक रूप से सक्रिय दो प्रमुख चेहरों की यह मुलाकात चर्चा का विषय बन गई है। जनसुराज के प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती, सरवर अली, रजनीश कुमार, मो आजाद, मो शमशाद उर्फ गुड्डू, मो रब्बान, अगम कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।



जदयू चिकित्सा प्रकोष्ठ का विस्तार, 43 जिलों में नई टीम का ऐलान

बीएनएम@ पटना। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के चिकित्सा प्रकोष्ठ ने संगठन को जिला स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक मजबूत करने के लिए नई टीम का गठन किया है। चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. एलबी सिंह ने 43 जिलाध्यक्षों एवं नगर अध्यक्षों के साथ प्रदेश पदाधिकारियों की सूची जारी की है। नई प्रदेश टीम में 24 प्रदेश उपाध्यक्ष, 41 प्रदेश महासचिव, एक मुख्यालय महासचिव और 54 प्रदेश सचिव शामिल किए गए हैं। जारी सूची के अनुसार गोपालगंज में हंस कुमार, सीवान में हर्देश्वर सिंह, सारण में डॉ. वीरेंद्र कुमार सिंह, वैशाली में इंद्रजीत कुमार राय, मुजफ्फरपुर में डॉ. प्रवीण चंद्रा और पूर्वी चंपारण में डॉ. श्रीकांत कुमार को जिम्मेदारी सौंपी गई है। पश्चिमी चंपारण में डॉ. नासीर अली, बगहा में रंजीत चौधरी, पटना महानगर में डॉ. रवि प्रकाश और पटना ग्रामीण में शैलेंद्र कुमार सिंह को अध्यक्ष बनाया गया है। इसी क्रम में सीतामढ़ी में डॉ. नरेंद्र शाही, शिवहर में डॉ. रामाशंकर राय, दरभंगा में डॉ. रूही यास्मीन, समस्तीपुर में कृष्ण कुमार, सुपौल में मो. सजाद आलम, अररिया में डॉ. ऋषभ राय, मधेपुरा में डॉ. हिमांशु कुमार और सहरसा में प्रो. डॉ. मनोज राणा को संगठन की जिम्मेदारी मिली है। रेणुगिया में राजेंद्र रजक, कटिहार में डॉ. माधव मुरारी सिंह, कटिहार नगर में अभिषेक मिश्रा, खगड़िया में धीरेंद्र कुमार, बेगूसराय में डॉ. सुधीर पासवान, भागलपुर में डॉ. अजय कुमार सिंह, नवगछिया में कौशल किशोर और बांका में नागेश्वर प्रसाद को अध्यक्ष बनाया गया है। जमुई में रघुनंद यादव उर्फ दरोगी, लखीसराय में नरेश मंडल, शेखपुरा में अवधेश कुमार, नवादा में कौशल किशोर, नालंदा में विपिन कुमार, जहानाबाद में अजय कुमार और गैया में बलराम चौधरी को जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा औरंगाबाद में डॉ. प्रकाश वर्मा, रोहतास में मो. तानमुल अंसारी, कैमूर में लक्ष्मण सिंह, बक्सर में सचिन दुबे, भोजपुर में विजय कुमार सिंह, बाढ़ में मंकेश्वर प्रसाद महतो, मधुबनी में रामदहिन ठाकुर, किशनगंज में नवीन कुमार मल्लाह, अरवल में विद्यानंद सिंह और मुंगेर में एम. एकबाल को मनोनीत किया गया है। प्रदेश स्तर पर डॉ. एसएन सिन्हा, श्रीनिवास सिंह, डॉ. मधुरेंद्र पांडेय समेत 24 लोगों को प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। इसके साथ ही 41 प्रदेश महासचिव, एक मुख्यालय महासचिव और 54 प्रदेश सचिव नियुक्त किए गए हैं। जदयू चिकित्सा प्रकोष्ठ की नई टीम में चिकित्सकों और संगठन से जुड़े पदाधिकारियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां देकर प्रकोष्ठ की गतिविधियों को जिला और प्रदेश स्तर पर विस्तार देने की कोशिश की गई है।

पीएम सूर्य घर योजना के लक्ष्य को पूरा करने में तेजी लाने का निर्देश

बीएनएम@ समस्तीपुर। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और अधिक से अधिक परिवारों को योजना का लाभ दिलाने के लिए जिले में प्रक्रिया तेज करने का निर्देश दिया गया है। जिले में कुल 21 हजार लाभुकों को योजना से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके तहत जिले के तीन विद्युत प्रमंडलों के लिए अलग-अलग लक्ष्य तय किए गए हैं। समस्तीपुर विद्युत प्रमंडल को 9,460, दलसिंहसराय विद्युत प्रमंडल को 6,765 तथा रोसड़ा विद्युत प्रमंडल को 4,775 लाभुकों को योजना से जोड़ने का लक्ष्य दिया गया है। योजना के क्रियान्वयन के दौरान कुछ बैंक शाखाओं द्वारा लाभुकों के ऋण संबंधी आवेदनों को अनावश्यक रूप से लंबित रखने अथवा अस्वीकृत किए जाने की जानकारी सामने आई है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की ताजपुर शाखा में 22 आवेदनों को सिविल स्कोर के आधार पर अस्वीकृत किए जाने की जानकारी मिली है। जबकि निर्धारित प्रावधानों के अनुसार केवल सिविल स्कोर के आधार पर पीएम सूर्य घर योजना के आवेदन को अस्वीकृत नहीं किया जाना है। इसी तरह केनरा बैंक की कब्जे आहार शाखा में 22 आवेदन लंबित पाए गए हैं। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का उद्देश्य अधिक से अधिक परिवारों को रूफटॉप सोलर से जोड़ना, स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा को बढ़ावा देना तथा परिवारों को बिजली के क्षेत्र में राहत एवं आर्थिक लाभ उपलब्ध कराना है।

दो डिसमिल जमीन के विवाद में मासूम की मौत, ईंट से हमला करने का आरोप

तीन वर्षीय बच्ची ने इलाज के लिए मुजफ्फरपुर ले जाने के दौरान तोड़ा दम, पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

बीएनएम@ शिवहर

तरियानी थाना क्षेत्र के बराही वाई नंबर- 7 में महज दो डिसमिल जमीन को लेकर चल रहा विवाद रविवार को एक दर्दनाक घटना में बदल गया। आरोप है कि विवाद के बाद विपक्षी पक्ष की एक महिला ने तीन वर्षीय बच्ची पर ईंट-पत्थर से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल बच्ची को परिजन आनन-फानन में शिवहर सदर अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी नाजुक स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए मुजफ्फरपुर रेफर कर दिया। मुजफ्फरपुर ले जाने के दौरान रास्ते में ही बच्ची ने दम तोड़ दिया। मासूम की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार, बराही



निवासी दीनबंधु कुमार का सुंदर राय और नंदकिशोर राय के परिवार से करीब दो डिसमिल जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। इसी विवाद को लेकर दीनबंधु कुमार और उनकी पत्नी रिकी कुमारी ने तरियानी थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। परिजनों का आरोप है कि प्राथमिकी दर्ज कराने के बाद घर लौटने के दौरान विपक्षी पक्ष

की महिला रेणु देवी ने उनकी तीन वर्षीय पुत्री छोटी कुमारी पर ईंट-पत्थर से हमला कर दिया। हमले में बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन उसे तत्काल शिवहर सदर अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए मुजफ्फरपुर रेफर कर दिया। हालांकि, अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में उसकी मौत

हो गई। घटना की सूचना मिलते ही तरियानी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने घटनास्थल पर एफएसएल टीम को भी बुलाया, जिसने मौके से आवश्यक साक्ष्य जुटाए। पुलिस जमीन विवाद के साथ-साथ बच्ची पर हुए कथित हमले के सभी पहलुओं की जांच में जुटी है। तरियानी थानाध्यक्ष अभिषेक कुमार ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद बच्ची की मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी। आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच में जो भी दोषी पाए जाएंगे, उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

मौका: दानापुर में अग्निवीर भर्ती की पूरी डेटशीट जारी

22 सितंबर से 7 अक्टूबर तक चलेगी रैली

बीएनएम@ दानापुर

दानापुर के चांदमारी स्थित केएलपी मैदान में 22 सितंबर से अग्निवीर भर्ती रैली शुरू होगी। भर्ती रैली 7 अक्टूबर तक चलेगी। इसमें बिहार और झारखंड के शॉर्टलिस्ट किए गए करीब 11 हजार 42 पुरुष एवं महिला अभ्यर्थी शामिल होंगे। भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी, निष्पक्ष और योग्यता आधारित रखने के साथ अभ्यर्थियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए सेना व जिला प्रशासन की ओर से विशेष इंतजाम किए गए हैं।अग्निवीर भर्ती रैली 2026-27 के दूसरे चरण को लेकर रविवार को निदेशक भर्ती, RO (HQ) दानापुर कर्नल बिंदु अग्निहोत्री ने प्रेस वार्ता की।उन्होंने बताया कि रैली के सुचारु संचालन के लिए आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने पटना के जिलाधिकारी कुंदन कुमार, SSP पटना कार्तिकेय के. शर्मा, SDM दानापुर विरुवाक्ष विक्रम सिंह और मुख्यालय J&B सब एरिया के सहयोग के लिए आभार जताया। भर्ती कार्यक्रम के अनुसार 22 से 25 सितंबर तक अग्निवीर सामान्य ड्यूटी (GD) के लिए पटना, बक्सर, भोजपुर, सीवान, सारण, गोपालगंज और वैशाली के शॉर्टलिस्ट किए गए पुरुष अभ्यर्थी शामिल होंगे। 26 से 29 सितंबर तक इन्हीं जिलों के शॉर्टलिस्ट अभ्यर्थियों के लिए अग्निवीर तकनीकी तथा कार्यालय सहायक/स्टोरकीपर तकनीकी श्रेणी की भर्ती प्रक्रिया होगी। 30 सितंबर को आठवीं और दसवीं पास पुरुष



कर्नल

अभ्यर्थियों की भर्ती रैली आयोजित की जाएगी।

तिथिवार भर्ती कार्यक्रम

22 से 25 सितंबर: अग्निवीर GD के लिए पटना, बक्सर, भोजपुर, सीवान, सारण, गोपालगंज और वैशाली के शॉर्टलिस्ट पुरुष अभ्यर्थी।

26 से 29 सितंबर: अग्निवीर टेक्निकल और कार्यालय सहायक/स्टोरकीपर टेक्निकल के लिए इन्हीं सात जिलों के पुरुष अभ्यर्थी।

30 सितंबर: अग्निवीर के लिए आठवीं और दसवीं पास पुरुष अभ्यर्थियों की भर्ती।

1 से 4 अक्टूबर: अग्निवीर कर्क/SKT के लिए बिहार और झारखंड के शॉर्टलिस्ट पुरुष अभ्यर्थी।

6 से 7 अक्टूबर: अग्निवीर सामान्य ड्यूटी (महिला सैन्य पुलिस/AVWMP) के लिए बिहार और झारखंड की शॉर्टलिस्ट महिला अभ्यर्थी।

हरसिद्धि थाने में शुरू हुआ चाइल्ड हेल्प डेस्क, शिखा कुमारी को बाल संरक्षण पदाधिकारी की जिम्मेदारी



बीएनएम@ मोतिहारी

हरसिद्धि थाना परिसर में चाइल्ड हेल्प डेस्क का शुभारंभ किया गया। बच्चों की सुरक्षा और बाल संरक्षण को लेकर थानाध्यक्ष सुनील कुमार के नेतृत्व में विशेष जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। इस दौरान बच्चों से जुड़े मामलों में त्वरित कार्रवाई और उन्हें सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। पुलिस ने दारोगा शिखा कुमारी को बाल संरक्षण पदाधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी है। अब बच्चों से संबंधित शिकायतों और मामलों में बाल संरक्षण पदाधिकारी की भूमिका अहम होगी। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने कहा कि बच्चों को मानसिक रूप से परेशान करने, प्रताड़ित करने या किसी भी तरह से

उनके अधिकारों का हनन करने वालों के खिलाफ पुलिस सख्त कार्रवाई करेगी। बच्चों की सुरक्षा को लेकर पुलिस गंभीर है और ऐसे मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं बरती जाएगी। उन्होंने बताया कि बाल संरक्षण से जुड़े प्रावधानों और बच्चों की सुरक्षा को लेकर सोशल मीडिया के माध्यम से भी लोगों को जागरूक किया जा रहा है। पुलिस का उद्देश्य बच्चों, अभिभावकों और आम लोगों को उनके अधिकारों और सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूक करना है। हरसिद्धि पुलिस की इस पहल की स्थानीय स्तर पर सराहना हो रही है। चाइल्ड हेल्प डेस्क के शुरू होने से बच्चों से जुड़े मामलों में उन्हें सुरक्षित और संवेदनशील पुलिसिंग उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

स्वतंत्रता सेनानियों की स्मृतियों को संरक्षित करने की उठी आवाज

संगीत कुमार बने मेहसी संगठन के अध्यक्ष, शहीद रामावतार साह का शहादत दिवस मनाने की घोषणा



की महत्वपूर्ण कर्मभूमि रही है। ऐसे में स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, संघर्ष और बलिदान की गाथा को नई पीढ़ी तक पहुंचाना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने सरकार से स्वतंत्रता सेनानी शहीद स्मारक स्थल के निर्माण की मांग की। कहा कि देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व

न्योछावर करने वाले सेनानियों की स्मृतियों को सुरक्षित रखने के लिए ठोस पहल जरूरी है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों और उनके परिवारों को अपेक्षित सम्मान एवं सुविधाएं दिलाने की दिशा में भी प्रभावी कदम उठाए जाने चाहिए। बैठक में अमिता निधि, रंजीत

पाण्डेय, संगीत कुमार, विमल कुमार त्रिपाठी एवं रामेश प्रसाद समेत अन्य वक्ताओं ने विचार रखे। वक्ताओं ने स्थानीय स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान और स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े इतिहास को दस्तावेज के रूप में संरक्षित करने पर जोर दिया। साथ ही युवाओं को स्वतंत्रता

आंदोलन के इतिहास से जोड़ने के लिए कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता जताई। वहीं सत्यदेव राय आर्य ने महान स्वतंत्रता सेनानी सत्यनारायण राय आर्य के स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े संघर्ष और योगदान की चर्चा की। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्वतंत्रता सेनानियों की गाथा को सामने लाने के लिए लगातार कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए। इस दौरान मेहसी क्षेत्र के स्वतंत्रता सेनानी वीरेश्वर आजाद सहित अन्य सेनानियों के योगदान को भी याद किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से स्वतंत्रता सेनानी वीरेश्वर आजाद के पुत्र संगीत कुमार को मेहसी संगठन का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिलने के बाद संगीत कुमार ने कहा कि संगठन को मजबूत करने के साथ स्वतंत्रता

सेनानियों के इतिहास, संघर्ष और योगदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर शहीद रामावतार साह के पुत्र मोहन साह, सत्यदेव राय आर्य, रामेश प्रसाद एवं संगीत कुमार को अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने स्वतंत्रता सेनानियों की विरासत को संरक्षित करने, उनके परिवारों के सम्मान एवं अधिकारों के लिए सामूहिक प्रयास करने तथा मेहसी में स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े ऐतिहासिक स्थलों के संरक्षण की दिशा में पहल करने का संकल्प लिया। मौके पर यशराज, मिथिलेश कुमार सिन्हा, राजेश अस्थाना, किशोरी साह, मेघराज सहनी समेत बड़ी संख्या में स्वतंत्रता सेनानियों के उत्तराधिकारी उपस्थित थे।

शिक्षा की नई पहल: लक्ष्य कॉम्पिटिटिव क्लासेस व फिजिकल एकेडमी ने छात्रों को बांटी पाठ्य सामग्री

बीएनएम@ अरराज

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र-छात्राओं का उत्साह बढ़ाने और उन्हें आवश्यक अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लक्ष्य कॉम्पिटिटिव क्लासेस एवं अरराज फिजिकल एकेडमी के संयुक्त तत्वाधान में पांडेय वाटिका परिसर में पुस्तक एवं पाठ्य सामग्री विरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महामंडलेश्वर स्वामी रवि शंकर गिरि जी महाराज रहे। इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी आदित्य नारायण दीक्षित, अरराज थानाध्यक्ष प्रत्याशा कुमारी, समानज्योती राजू पांडेय (पांडेय वाटिका), राजाबाबू सिंह, प्रिंस मिश्रा सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। समारोह को संबोधित करते हुए अतिथियों ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता



के लिए संसाधनों के साथ-साथ मेहनत, अनुशासन, आत्मविश्वास और लक्ष्य के प्रति निरंतर समर्पण आवश्यक है। ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों में प्रतिभा की कमी नहीं है। उन्हें सही मार्गदर्शन और आवश्यक अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराकर बेहतर अवसर प्रदान किए जा सकते हैं। महामंडलेश्वर स्वामी रवि शंकर गिरि जी महाराज ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आज का परिंराम ही भविष्य की सफलता का आधार बनेगा। विद्यार्थियों को

अपना लक्ष्य निर्धारित कर समय का सदुपयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कठिन परिस्थितियां भी सफलता की राह में प्रेरणा का माध्यम बन सकती हैं। बीडीओ आदित्य नारायण दीक्षित एवं थानाध्यक्ष प्रत्याशा कुमारी ने विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन, अनुशासन और सकारात्मक सोच के साथ तैयारी जारी रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने संस्थान को इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराने जैसे प्रयास

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान करते हैं। लक्ष्य कॉम्पिटिटिव क्लासेस एवं अरराज फिजिकल एकेडमी के निदेशक इंजीनियर मुकेश सिंह एवं राजेश कुमार ने कहा कि संस्थान का उद्देश्य अरराज एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेहतर मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना है। उन्होंने विद्यार्थियों को हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम का मंच संचालन अमित मिश्रा ने किया। समारोह के दौरान विद्यार्थियों में खासा उत्साह देखने को मिला। अंत में अतिथियों एवं संस्थान के सदस्यों ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर मेहनत करने और सफलता की दिशा में आगे बढ़ते रहने का संदेश दिया।

पताही थाना परिसर में चाइल्ड हेल्प डेस्क व चाइल्ड कॉर्नर की शुरुआत, बच्चों को मिलेगा सुरक्षित माहौल

बाल-अनुकूल पुलिसिंग को बढ़ावा देने की पहल, मामलों में त्वरित सहायता व संरक्षण पर जोर

बीएनएम@ पताही

बच्चों से जुड़े मामलों में त्वरित सहायता, संरक्षण और संवेदनशील पुलिसिंग सुनिश्चित करने की दिशा में रविवार को पताही थाना परिसर में चाइल्ड हेल्प डेस्क एवं चाइल्ड कॉर्नर की शुरुआत की गई। इस पहल का उद्देश्य थाने में बच्चों के लिए सुरक्षित, सहज और बाल-अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराना है, ताकि आवश्यकता पड़ने पर उन्हें तत्काल आवश्यक सहायता और संरक्षण मिल सके। चाइल्ड हेल्प डेस्क के माध्यम से बच्चों से संबंधित मामलों में पुलिस की ओर से आवश्यक सहयोग, सहायता और संरक्षण उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही, बच्चों के प्रति पुलिस



के व्यवहार को अधिक संवेदनशील और सहयोगात्मक बनाने के लिए चाइल्ड फ्रेंडली पुलिसिंग को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके तहत बच्चों से जुड़ी शिकायतों और मामलों को गंभीरता से लेते हुए उनकी जरूरतों के अनुरूप कार्रवाई सुनिश्चित करने पर विशेष जोर रहेगा। बताया गया कि जिले के सभी थानों में चरणबद्ध

तरीके से चाइल्ड हेल्प डेस्क एवं चाइल्ड कॉर्नर की शुरुआत की जाएगी। बच्चों से संबंधित मामलों में प्रभावी कार्रवाई और संवेदनशीलता सुनिश्चित करने के लिए सभी थानों में बाल कल्याण पुलिस पदाधिकारी (सीडब्ल्यूपीओ) की नियुक्ति भी की जा रही है। ये पदाधिकारी बच्चों से जुड़े मामलों में आवश्यक पुलिस कार्रवाई

के साथ-साथ संरक्षण की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस पहल के तहत पुलिस थानों को बच्चों के लिए अधिक अनुकूल बनाने, उनकी समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ सुनने और जरूरत के समय उन्हें उचित सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। चाइल्ड हेल्प डेस्क और चाइल्ड कॉर्नर की सुविधा शुरू होने से बच्चों तथा उनके परिजनों को पुलिस से संपर्क करने में भी सहूलियत मिलने की उम्मीद है। बच्चों की सुरक्षा, संरक्षण और अधिकारों को प्राथमिकता देते हुए थानों में बाल-अनुकूल पुलिसिंग को मजबूत करने की दिशा में शुरू की गई यह पहल महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

पुनर्विचार करने का वक़्त

दुनिया में बदले समीकरणों के बीच एससीओ में प्रभावी देशों के साथ भारत के रुख की दूरी बढ़ती नजर आई है। इसकी संभवतः सबसे प्रमुख मिसाल चीन की महत्त्वाकांक्षी योजना- बीआरआई है। शंघाई सहयोग संगठन की शिखर बैठक में कही गई बातों और बिशकेक घोषणापत्र पर गौर करें, तो अहसास होता है कि इस मंच पर भारत की उपस्थिति लगातार असहज होती जा रही है। अब अगले शिखर सम्मेलन की मेजबानी पाकिस्तान को मिली है। दोनों देशों के संबंध के मौजूदा हाल को देखते हुए सवाल उठता है कि क्या वहां होने वाली एससीओ की अनेक बैठकों में भाग लेने भारतीय प्रतिनिधि जाएंगे? वैसे भी दुनिया में बदले समीकरणों के बीच इस मंच में प्रभावी देशों के साथ भारत के रुख की दूरी बढ़ती नजर आती है। इसकी संभवतः सबसे बड़ी मिसाल चीन की महत्त्वाकांक्षी योजना- बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) है। किर्गिजिस्तान की राजधानी में हुए शिखर सम्मेलन के बाद जारी साझा घोषणापत्र में भारत को फिर उस अनुरेष्ठे से खुद को अलग रखना पड़ा, जिसमें बीआरआई का समर्थन किया गया है। आठ सदस्य देशों- बेलारूस, ईरान, कजाखस्तान, किर्गिजिस्तान, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान- ने बीआरआई के प्रति फिर अपना समर्थन जताया। साथ ही इसे यूरेशियन इकोनॉमिक यूनियन (ईईयू) के साथ जोड़ने की बात भी कही गई। ईईयूयू में प्रमुख भूमिका रूस की है। स्पष्टतः बीआरआई एससीओ के आर्थिक और आपसी जुड़ाव (कनेक्टिविटी) एजेंडे का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शिखर सम्मेलन में कहा कि कनेक्टिविटी बढ़ाते समय देशों की प्रादेशिक संप्रभुता का ह्याल रखा जाना चाहिए। बीआरआई के तहत निर्मित 'चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारां' पाकिस्तानी कच्चे तेलो जम्मू-कश्मीर से गुजरता है। इसके अलावा एससीओ में ईरान पर अमेरिका- इजराइल के हमले तथा फिलस्तीन के गज़ा में इजराइल की "विनाशकारी" कार्रवाई भी ऐसे मुद्दे हैं, जहां भारत का रुख एससीओ के बाकी देशों से अलग रहा है। यह अलग्ग वािशकेक में भी जाहिर होता रहा। यह साफ है कि चीन, रूस, और ईरान की वैश्विक रणनीति में फिलहाल सामंजस्य बन गया है। बाकी सदस्यों को इस रणनीति पर कोई एतराज नहीं है, हालांकि उन्में से कुछ ने अमेरिकी खेमे के साथ भी अपने दांव जोड़ रखे हैं। स्पष्टतः भारत के लिए यह पुनर्विचार करने का वक़्त है कि एससीओ से उसकी क्या अपेक्षाएं हैं और क्या वे पूरी हो रही हैं?

नरेंद्र मोदी के जनसेवा के बेमिसाल 25 वर्ष : सत्ता की नहीं, सेवा की यात्रा

वाबुलाल मरांडी

सेवा से सुशासन तक, झारखंड के विकास से विकसित भारत की अनवरत यात्रा

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी 76 वर्ष के हो गए। यह तिथि दो मायनों में विशेष है। एक तो सृष्टि शिल्पकार भगवान विश्वकर्मा की जन्म जयंती का पावन अवसर और दूसरा नए भारत के शिल्पकार देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का जन्मदिन। भारतीय राजनीति के सार्वजनिक जीवन में कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं जिनका जीवनकाल केवल पद और सत्ता तक सीमित नहीं रहता बल्कि वह अपने ऐतिहासिक कार्यों से करोड़ों लोगों के जीवन को प्रभावित करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों की यात्रा इसी संकल्प, सेवा और राष्ट्र निर्माण की कहानी है। सार्वजनिक जीवन में किसी व्यक्ति की उपलब्धियों का इतना लंबा कालखंड सामान्य पड़ाव नहीं होता। यह उस विचार, कार्यशैली और नेतृत्व की परीक्षा का अवसर होता है, जिसने देश की राजनीति और शासन को प्रभावित किया हो। नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष इसी दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं।

7 अक्टूबर, 2001 को नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। इसके बाद लगभग 13 वर्षों तक गुजरात का नेतृत्व और फिर 2014 से देश के प्रधानमंत्री के रूप में निरंतर सेवा। यह यात्रा केवल पदों की यात्रा नहीं है, बल्कि एक कार्यकर्ता से मुख्यमंत्री और मुख्यमंत्री से प्रधानमंत्री बनने तक सेवा को राजनीति का आधार बनाने की यात्रा है। प्रधानमंत्री के रूप में 25 वें वर्ष में प्रवेश करते हुए स्वयं नरेंद्र मोदी ने भी इसे देशवासियों के विश्वास

और आशीर्वाद के प्रति कृतज्ञता का अवसर बताया था। आज जब हम इस यात्रा को देखते हैं तो एक बात स्पष्ट दिखाई देती है कि मोदी के लिए विकास केवल आंकड़ों का विषय नहीं, बल्कि सामान्य नागरिक के जीवन में दिखाई देने वाला परिवर्तन है।

राजनीति का केंद्र बदला, प्राथमिकताएँ बदलीं: एक समय देश में सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना सबसे बड़ी चुनौती माना जाता था। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जनधन खातों से लेकर प्रत्यक्ष लाभ अंतरण तक, उज्ज्वला से लेकर स्वच्छ भारत तक, आयुष्मान भारत से लेकर जल जीवन मिशन तक, गरीबों के आवास से लेकर डिजिटल सेवाओं तक, सरकार ने योजनाओं की पहुँच को अंतिम छोर तक ले जाने का प्रयास किया। यह बदलाव केवल योजनाओं की संख्या का नहीं है। असली बदलाव यह है कि गरीब, किसान, महिला, युवा और वंचित समाज विकास की चर्चा के केंद्र में आए। प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने सबका साथ, सबका विकास को शासन की राजनीतिक भाषा बनाया। आज इसी सोच का विस्तार विकसित भारत2047 के संकल्प में दिखाई देता है। झारखंड के लिए मोदी युग का अर्थ: झारखंड की राजनीति और समाज को समझने वाला व्यक्ति यह अच्छी तरह जानता है कि इस राज्य की सबसे बड़ी विडंबना क्या रही है। हमारे पास अपार खनिज संपदा है, जल-जंगल-जमीन है, मेहनतकश लोग हैं, समृद्ध जनजातीय संस्कृति है, लेकिन दशकों तक बुनियादी सुविधाओं और बड़े संस्थानों के मामले में झारखंड अपेक्षाकृत पीछे रहा। ऐसे में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के कार्यकाल में झारखंड में जिन बड़ी

परियोजनाओं को गति मिली, उनका महत्व केवल किसी एक शहर या क्षेत्र तक सीमित नहीं है। वे राज्य की विकास-यात्रा की दिशा बदलने वाली परियोजनाएँ हैं।देवघर एम्स इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। केंद्र सरकार ने 2018 में देवघर में एम्स स्थापित करने की मंजूरी दी थी, जिसके लिए 21,103 करोड़ का प्रावधान किया गया था। प्रस्तावित संस्थान में 750 बेड का अस्पताल, मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज तथा सुपर-स्पेशियलिटी सुविधाओं का प्रावधान किया गया।

2022 में देवघर में एम्स की इन-पेमेंट और ऑपरेशन थिएटर सेवाओं की शुरुआत तथा विभिन्न विकास परियोजनाओं के उद्घाटन-शिलान्यास ने यह संदेश दिया कि झारखंड में भी देश के सर्वोच्च चिकित्सा संस्थानों की सुविधाएँ उपलब्ध हो सकती हैं। उसी अवसर पर देवघर में 16,800 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास हुआ। देवघर एयरपोर्ट : बाबा धाम से विकास की नई उड़ान : देवघर एयरपोर्ट केवल एक हवाई अड्डा नहीं है। यह झारखंड की धार्मिक पर्यटन क्षमता, व्यापार, रोजगार और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के लिए एक नया द्वार है। 12 जुलाई 2022 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देवघर एयरपोर्ट का उद्घाटन किया। लगभग 7400 करोड़ की लागत से विकसित इस एयरपोर्ट में चक्रच्छह की ओर से 7200 करोड़ का अनुदान भी शामिल था। इसके बाद दिल्ली-देवघर सीधी हवाई सेवा शुरू हुई। केंद्र सरकार ने उस समय यह भी बताया था कि झारखंड में अन्य हवाई संपकों के विस्तार पर काम किया जा रहा है।

इसका अर्थ केवल इतना नहीं कि अब लोग विमान से देवघर पहुँच सकते

हैं। इसका अर्थ है कि बाबा बैद्यनाथ धाम की अर्थव्यवस्था, होटल उद्योग, स्थानीय व्यापार, पर्यटन और रोजगार के लिए नए अवसरों का दरवाजा खुला है। बिरसा मुंडा को झारखंड से निकालकर राष्ट्रीय चेतना का नायक बनाना: झारखंड की आत्मा को समझना हो तो भावान बिरसा मुंडा को समझना होगा। वे केवल एक जनजातीय नायक नहीं, बल्कि स्वाभिमान, संघर्ष और स्वतंत्रता के प्रतीक हैं। नरेंद्र मोदी सरकार ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया। 15 नवंबर 2021 को रांची की भगवान बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान सह स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय का उद्घाटन भी हुआ।इस निर्णय का राजनीतिक और सांस्कृतिक महत्व बहुत बड़ा है। जिस राज्य में बिरसा मुंडा ने अंग्रेजी सत्ता को चुनौती दी, उसी राज्य से उनकी स्मृति की राष्ट्रीय गौरव के रूप में स्थापित करना यह बताता है कि भारत का इतिहास केवल कुछ चुनिंदा अध्येत्यों का इतिहास नहीं है। जनजातीय समाज के संघर्ष, बलिदान और योगदान भी भारतीय राष्ट्र की निर्माण गाथा के अभिन्न हिस्से हैं। यही कारण है कि जनजातीय गौरव दिवस केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि इतिहास के पुनर्जाट और जनजातीय अस्मिता को सम्मान देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। झारखंड के लिए विकास का मतलब केवल खनिज नहीं: झारखंड को लंबे समय तक खनिजों की भूमि के रूप में देखा गया। लेकिन आज आवश्यकता है कि झारखंड को मानव संसाधन, पर्यटन, स्वास्थ्य, शिक्षा, तकनीक और स्थानीय प्रतिभा की भूमि के रूप में भी पहचाना जाए। मोदी सरकार की नीतियों ने इस दिशा में

आधार तैयार किया है। देवघर में एम्स स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूत करता है। एयरपोर्ट पर्यटन और व्यापार को गति देता है। जनजातीय गौरव दिवस और बिरसा संग्रहालय हमारी पहचान और इतिहास को राष्ट्रीय विमर्श में स्थापित करते हैं। लेकिन हमें यहीं रुकना नहीं है। इन परियोजनाओं को रोजगार, निवेश और स्थानीय अर्थव्यवस्था से जोड़ना होगा। झारखंड के युवाओं को केवल नौकरी खोजने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बनाना होगा। हमारी जनजातीय प्रतिभाओं को शिक्षा और तकनीक से जोड़ना होगा। हमारे पर्यटन स्थलों को विश्वस्तरीय सुविधाओं से जोड़ना होगा।मोदी जी की विकास दृष्टि का लाभ झारखंड को तभी पूरी तरह मिलेगा, जब राज्य सरकार भी उसी गति, पारदर्शिता और इच्छाशक्ति के साथ काम करे।

निर्णय लेने का साहस भी मोदी युग की पहचान : नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों को केवल विकास योजनाओं से समझना अपूर्ण होगा। इस दौर में कई ऐसे निर्णय हुए, जिन्होंने देश की राजनीति और नीति की दिशा पर गहरा प्रभाव डाला। अनुच्छेद 370 में बदलाव, नई शिक्षा नीति, जीएसटी, डिजिटल अर्थव्यवस्था, आत्मनिर्भर भारत, रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण, महिला सशक्तिकरण से जुड़े कानून, गरीब कल्याण की योजनाएँ और कोविड महामारी के दौरान बड़े पैमाने पर टीकाकरण अभियान—इन सभी ने भारत के शासन मॉडल को प्रभावित किया। इन निर्णयों पर राजनीतिक मतभेद और बहस लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा हैं। लेकिन यह स्वीकार करना होगा कि नरेंद्र मोदी ने निर्णय लेने वाली सरकार और दीर्घकालीन लक्ष्य वाली राजनीति की

संस्कृति को मजबूत किया। दुनिया में बढ़ा भारत का आत्मनिश्चवास: पिछले वर्षों में भारत की वैश्विक भूमिका भी बदली है। जी-20 की अध्यक्षता से लेकर वैश्विक दक्षिण की आवाज उठाने तक, भारत ने स्वयं को केवल वैश्विक व्यवस्था का दर्शक नहीं, बल्कि उसमें सक्रिय भूमिका निभाने वाले देश के रूप में प्रस्तुत किया है। आज भारत की अर्थव्यवस्था, डिजिटल क्षमता, अंतरिक्ष कार्यक्रम, रक्षा उत्पादन और वैश्विक कूटनीति पर दुनिया की नजर है। यह बदलाव केवल दिल्ली की कहानी नहीं है। जब भारत मजबूत होता है तो झारखंड जैसे राज्यों के लिए भी विकास की राहें खुलती हैं। नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने का अर्थ यह नहीं कि यात्रा पूरी हो गई। वास्तव में यह अगले और अधिक महत्वपूर्ण चरण की शुरुआत है। 2047 में जब भारत अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी मनाएगा, तब हमारा लक्ष्य केवल बड़ा भारत नहीं, बल्कि विकसित, आत्मनिर्भर, सक्षम और आत्मनिश्चयी भारत होना चाहिए। झारखंड के लिए इस लक्ष्य का अर्थ और भी बड़ा है। हमें अपने संसाधनों का उपयोग करते हुए पर्यावरण और विकास में संतुलन बनाना होगा। जनजातीय समाज को विकास की मुख्यधारा में भागीदार बनाना होगा। युवाओं को शिक्षा और रोजगार देना होगा। महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ानी होगी। स्वास्थ्य और शिक्षा की गुणवत्ता सुधारनी होगी। और इसके लिए केंद्र और राज्य के बीच राजनीतिक टकराव नहीं, बल्कि झारखंड के हित में संवाद करना होगा कि नरेंद्र मोदी (लेखक नेता प्रतिपक्ष, झारखंड विधानसभा) हैं।

कौशल, रोजगार, स्टार्टअप और आधुनिक शिक्षा पर सरकार का जोर, 18 हजार से अधिक युवाओं को मिला प्रशिक्षण

धनंजय राठौर

 9 हजार सरकारी पदों पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया
 -छत्तीसगढ़ सरकार की रोजगार और कौशल विकास पहल से युवाओं को मिल रहे अवसर
 युवाओं को विकास के केंद्र में रखते हुए छत्तीसगढ़ की विष्णु देव साय की सरकार कौशल विकास, रोजगार, उच्च शिक्षा, उद्यमिता और खेल क्षेत्र में अवसरों का विस्तार कर रही है। पिछले करीब तीन वर्षों में जब से मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सत्ता संभाली है, युवाओं को सक्षम, रोजगारपरक और आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई योजनाएँ और पहल शुरू की हैं। इन प्रयासों का उद्देश्य शिक्षा और प्रशिक्षण को रोजगार से जोड़ते हुए राज्य की युवा आबादी को विकास

की नई ताकत में बदलना है। लक्ष्य केवल युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि उन्हें कुशल, आत्मनिर्भर, नवाचारी और भविष्य की अर्थव्यवस्था के लिए तैयार मानव संसाधन के रूप में विकसित करना है।

18 हजार 330 युवाओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है: प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत राज्य के 26 जिलों में करीब 18 हजार 330 युवाओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है। इस पर लगभग 29 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। वहीं, 35 हजार और युवाओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा। राज्य सरकार ने युवाओं के कौशल विकास के लिए 75 करोड़ रुपये का प्रावधान भी किया है, ताकि प्रशिक्षण को उद्योगों और बाजार की बदलती जरूरतों के अनुसार बनाया जा



सके। युवा को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल, अवसर और पारदर्शी व्यवस्था: मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा, युवा छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी ताकत और भविष्य की उम्मीद हैं। हमारा प्रयास है कि हर युवा को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल, अवसर और पारदर्शी व्यवस्था उपलब्ध हो। युवा सशक्तिकरण विकसित

छत्तीसगढ़ के हमारे विजन का केंद्र है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प के अनुरूप है।

पारदर्शी भर्ती पर फोकस: युवा केंद्रित एजेंडे में रोजगार के साथ सरकारी भर्ती व्यवस्था में पारदर्शिता को भी प्राथमिकता दी गई है। राज्य में करीब 9 हजार रिक्त सरकारी

पदों पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। इसके अलावा क्लास-3 और क्लास-4 के पदों पर भर्ती को एकीकृत, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के लिए नए छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल का गठन किया गया है।

युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए सरकार द्वारा नि:शुल्क कोचिंग की व्यवस्था: सरकार ने युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर अवसर देने के लिए सीजी-एसीई पहल शुरू की है। इसके तहत नीट, सीएलएटी, जेईई, यूपीएससी, सीजीपीएससी, बैंकिंग, एम्पएसटी और रेलवे जैसी परीक्षाओं की तैयारी के लिए नि:शुल्क कोचिंग की व्यवस्था की जा रही है। इसके लिए 33 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। उच्च शिक्षा के बुनियादी ढांचे का विस्तार : युवा विकास की

रणनीति में विष्णु देव साय सरकार ने उच्च शिक्षा को भी महत्वपूर्ण स्थान दिया है। उच्च शिक्षा के बजट में करीब 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वर्ष 2025-26 में इसे बढ़ाकर 1,822.75 करोड़ रुपये किया गया है। राज्य के पांच सरकारी कॉलेजों को उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। इनमें जशपुर, रायपुर, दुर्ग, बलौदाबाजार और रायगढ़ के कॉलेज शामिल हैं। इसी तरह, आईआईटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों की तर्ज पर कवर्धा, जशपुर, रायगढ़ और जागदलपुर में छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (सीजीआईटी) विकसित किए गए हैं। आने वाले समय में रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग में भी इनके विस्तार की योजना है। संयुक्त संचालक, जनसम्पर्क (रायपुर)

हृतियों की बढ़ती ताकत से गहराया तेल संकट

काटिताल मांडोत

 पश्चिम एशिया में ईरान और अमेरिका के बीच जारी युद्ध अब केवल दो देशों के बीच सैन्य संघर्ष नहीं रह गया है। इसकी गूंज लाल सागर से लेकर फारस की खाड़ी और होरमुज जलडमरूमध्य तक सुनाई दे रही है। यमन के हूती लड़कों की बढ़ती सक्रियता ने इस संकट को और गंभीर बना दिया है। सऊदी अरब की तेल पाइपलाइन पर ड्रोन हमला और लाल सागर के दक्षिणी प्रवेश द्वार के निकट रणनीतिक क्षेत्र पर हृतियों की बढ़त ने दुनिया के सामने ऊर्जा सुरक्षा का नया संकट खड़ा कर दिया है। यदि संघर्ष लंबा खिंचता है और तेल परिवहन के महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग प्रभावित होते हैं तो आने वाले समय में कच्चे तेल और गैस की कीमतों में तेज उछाल देखने को मिल सकता है। सऊदी अरब ने ड्रोन हमले के बाद अपनी करीब 1200 किलोमीटर लंबी पूर्वी-पश्चिमी तेल पाइपलाइन को एहतियाती कदम के तौर पर अस्थायी रूप से बंद कर दिया। यह पाइपलाइन सऊदी तेल परिवहन व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी है और इसके बंद होने की खबर ने अंतरराष्ट्रीय बाजारों की चिंता बढ़ा दी। सऊदी विदेश मंत्रालय ने हमले के लिए इराक से उड़ाए गए कई ड्रोन को जिम्मेदार बताया। हमले में लोगों के घायल होने की भी खबर सामने आई। सऊदी अरब ने तत्काल जवाबी कार्रवाई नहीं करने का फैसला किया और इराकी सरकार को

आवश्यक कदम उठाने का अवसर दिया, लेकिन अपनी संप्रभुता और सुरक्षा की रक्षा के अधिकार को स्पष्ट रखा। इराक सरकार ने भी हूती हमले की निंदा की। जांच में ड्रोन के इराक से उड़ाए जाने की पुष्टि के बाद एक सैन्य कमांडर को हटाय़ा गया। इसके बाद इराक ने एहतियाती कदम उठाते हुए ईरान के साथ शलमचेह सीमा चौकी भी बंद कर दी। इससे स्पष्ट है कि ईरान और अमेरिका के बीच चल रहा संघर्ष अब आसपास के देशों की सुरक्षा व्यवस्था और आपसी संबंधों की भी प्रभावित कर रहा है। जुलाई में अमेरिका और सऊदी अरब की ओर से इराक में ईरान समर्थित मिलिशिया के ठिकानों पर की गई कार्रवाई ने भी क्षेत्रीय तनाव को बढ़ाया था। सबसे बड़ी चिंता तेल को लेकर है। पश्चिम एशिया दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति का महत्वपूर्ण केंद्र है। इस क्षेत्र में युद्ध की स्थिति बनी रहने से तेल उत्पादन के साथ-साथ उसके परिवहन पर भी खतरा बढ़ जाता है। लाल सागर और होरमुज जलडमरूमध्य जैसे समुद्री मार्गों में किसी भी तरह की बड़ी बाधा का सीधा असर अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार पर पड़ सकता है। तेल महंगा होने का असर केवल पेट्रोल और डीजल की कीमतों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि परिवहन, उद्योग, विजली, खाद्य वस्तुओं और रोजगार की जरूरतों की कीमतों पर भी पड़ता है। इसलिए पश्चिम एशिया का युद्ध दुनिया के लिए ऊर्जा संकट के साथ आर्थिक संकट भी पैदा कर सकता



है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि नवंबर में होने वाले अमेरिकी मध्यावधि चुनाव के बाद युद्ध समाप्त हो सकता है और इसके साथ तेल की कीमतों में भारी गिरावट आएगी। उनका कहना है कि ईरान इस संघर्ष को चुनाव तक खींचने का प्रयास कर रहा है। ट्रंप के अनुसार युद्ध समाप्त होने के बाद बाजार में अनिश्चितता कम होगी और तेल की कीमतें तेजी से नीचे आ सकती हैं। लेकिन इस दावे का वास्तविक परिणाम क्या होगा, यह समय ही बताएगा। तेल की कीमत केवल राजनीतिक घोषणाओं से तय नहीं होती। आपूर्ति, मांग, समुद्री मार्गों की सुरक्षा और प्रमुख तेल उत्पादक देशों की स्थिति भी इसमें बड़ी भूमिका निभाती है। दूसरी ओर ईरान की ओर से भी अमेरिका के रुख पर तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। नई दिल्ली में

आयोजित ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेरकियन का बयान इस पूरे संकट के बीच विशेष महत्व रखता है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया को अमेरिका जैसे किसी क्षेत्रीय पुलिसकर्मी की आवश्यकता नहीं है। उनके अनुसार क्षेत्र की सुरक्षा और यहां के देशों की सीमाओं की रक्षा की जिम्मेदारी इसी क्षेत्र के देशों और उसके प्रमुख खिलाड़ियों की होनी चाहिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ईरान युद्ध नहीं चाहता और न ही इस संघर्ष को आगे बढ़ाना चाहता है। नई दिल्ली से आया ईरानी राष्ट्रपति का संदेश इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत पश्चिम एशिया के सभी प्रमुख देशों के साथ अपने संबंध बनाए रखते हुए शांति और स्थिरता का पक्षधर रहा है। भारत के लिए इस संघर्ष का सीधा संबंध उसकी ऊर्जा सुरक्षा से है।

भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा कच्चे तेल के आयात से पूरा करता है। ऐसे में होरमुज जलडमरूमध्य या लाल सागर के रास्ते तेल की आपूर्ति प्रभावित होती है तो उसका असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी पड़ सकता है। महंगा तेल महंगाई बढ़ाने के साथ उद्योग और परिवहन लागत को भी प्रभावित कर सकता है। ईरान का यह संदेश भी ध्यान देने योग्य है कि अमेरिका शायद यह मान रहा था कि सैन्य दबाव के जरिए ईरान की सरकार को बहुत कम समय में कमजोर किया जा सकता है। लेकिन ईरान का दावा है कि युद्ध के दबाव के बावजूद जनता और सरकार के बीच एकजुटता बनी हुई है। दूसरी तरफ अमेरिका ईरान की सैन्य और क्षेत्रीय क्षमता को सीमित करने के लिए दबाव की नीति को प्रभावी मानता है। यही इस संघर्ष का मूल तत्कारण है।

एक तरफ अमेरिका अपनी रणनीतिक और सुरक्षा प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाना चाहता है तो दूसरी तरफ ईरान इसे अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय स्वतंत्रता के खिलाफ हस्तक्षेप के रूप में देखता है। इस संघर्ष में हृतियों की बढ़ती भूमिका पूरे समीकरण को और जटिल बना रही है। यदि हूती लाल सागर और आसपास के समुद्री मार्ग पर अपनी गतिविधियां बढ़ाते हैं तो जहाजों को वैकल्पिक लंबे रास्तों का सहारा लेना पड़ सकता है। इससे माल ढुलाई और बीमा की लागत बढ़ेगी तथा वैश्विक व्यापार पर दबाव आएगा। तेल की आपूर्ति में व्यवधान हुआ तो कीमतों में उछाल की आशंका और मजबूत होगी। अंततः सवाल केवल यह नहीं है कि ईरान और अमेरिका के बीच युद्ध में कौन भारी पड़ेगा। असली सवाल यह है कि इस संघर्ष की आर्थिक और मानवीय कीमत कौन चुकाएगा। युद्ध लंबा चलने पर आम जनता को महंगाई और ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ सकता है। ट्रंप का दावा है कि चुनाव के बाद तेल सस्ता हो जाएगा, जबकि ईरान का कहना है कि वह युद्ध नहीं चाहता और क्षेत्रीय देशों ने अपनी सुरक्षा स्वयं तय करनी चाहिए। इन दोनों दावों के बीच सच्चाई आने वाला समय ही बताएगा। फिलहाल इतना स्पष्ट है कि हृतियों की बढ़ती ताकत, लाल सागर में अस्थिरता और होरमुज का संकट दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा के लिए गंभीर चेतावनी बन चुके हैं।



मेघ राशि: मेघ राशि वालों आज आपका दिन महत्वपूर्ण कार्यों को पूरा करने में बीतेगा। आज आपके पारिवारिक जीवन में सौहार्द की वृद्धि होगी। साथ ही आज आपको बड़ी जिम्मेदारी का निर्वहन भी करना पड़ सकता है। आज धन लाभ के कई मौके आपके हाथ लगेंगे, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति में मजबूती आएगी।

वृष राशि: वृष राशि वालों आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आज किसी रिसर्चर को दिए रुपए आपको वापस मिलेंगे और आप सोचें हुए कार्यों में उनका इस्तेमाल कर सकते हैं। आज आपकी मीठीया क्षेत्र में अच्छा लाभ मिलने के साथ ही बड़े अवसर भी प्राप्त होंगे। इस राशि के प्राइवेट जॉब में कार्यरत व्यक्तियों को आज प्रमोशन से जुड़ी अच्छी खबर मिल सकती है।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आज आपको व्यापार में अच्छा धन लाभ होगा और आपके क्लाइंट के साथ रिसरे मजबूत होंगे। आज आपका दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा तथा आज आपको संतान पक्ष से खुशखबरी प्राप्त हो सकती है। आज आप किसी स्वास्थ्य संबंधी समस्या को लेकर अच्छे डॉक्टर से संपर्क करेंगे, जिससे उपचार बेहतर ढंग से हो।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज आपका दिन मिला-जुला रहने वाला है। इस राशि के विद्यार्थियों को अपनी मेहनत के अनुरूप बेहतर परिणाम हासिल होंगे। आज आपके दांपत्य जीवन में खुशी का माहौल बनेगा। साथ ही धार्मिक कार्यों में आज आप बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेंगे।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज आपको कार्य क्षेत्र में सफलता मिलेगी, रुकावट भरे कार्य पूरे होंगे। साथ ही आपके दांपत्य जीवन में आपसी ताल-मेल बढ़ेगा। आज किसी कार्य में घरवाले आपकी तारीफ करेंगे और आपकी पढ़ाई में रुचि बढ़ेगी। आज आप दोस्तों के साथ बाहर डिनर करने जायेंगे, जिससे आपको काफी अच्छा महसूस होगा।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज आप सामाजिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे, जिससे आपकी जान-पहचान बड़े व्यक्तियों से होगी। आज इस राशि के फैशन डिजाइनर्स का दिन बेहतर रहेगा, आपको ऑनलाइन माध्यम से बड़ा ऑर्डर मिल सकता है। आज दांपत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी। आज आपको संतान पक्ष से अच्छी खबर मिलेगी और आपके शत्रु परास्त होंगे।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज आपको अपने खानपान का खास ख्याल रखना चाहिए। आज आपकी आय में बढ़ोतरी होगी और आपकी सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। इस राशि के विद्यार्थी आज अपनी पढ़ाई पर ध्यान देंगे, आज आप भावनाओं में बहकर किसी भी निर्णय को लेने से बचें अन्यथा कोई आपको अपनी बातों में उलझा सकता है।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। आज आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। आज किसी कार्य में आपके प्रयत्न सफल रहेंगे, मन प्रसन्न रहेगा। इस राशि के जो अविवाहित हैं उनके विवाह के लिए जल्द ही अच्छे रिसरे आयेंगे। आज दोस्त आपका मनोबल बढ़ाएंगे, उनसे अपने मन की बात शेयर करेंगे। **धनु राशि:** धनु राशि वालों आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आज परिवारिक रिसरे में अच्छा ताल-मेल बना रहेगा। साथ ही आज आपका आर्थिक पक्ष पहले से मजबूत बनेगा। आज आप अपने किसी क्लाइंट से वीडियो कॉल करके मीटिंग करेंगे, जिससे आपको बेहतर सुझाव मिलेंगे।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज किसी करीबी के साथ आपकी गलतफहमी दूर होगी और आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आपका मन अच्युत में थोड़ा ज्यादा लगेगा, आप पास के ही मंदिर में कुछ वक्त गुजारेंगे जिससे मन शांत होगा। इस राशि के स्टेशनरी का कारोबार कर रहे व्यक्तियों को आज अच्छा मुनाफा मिलेगा।

कुम्भ राशि: कुम्भ राशि वालों आज का दिन आपके लिए अनकूल रहने वाला है। आज आपको घर के बड़ों से अलग बढते की राय मिलेगी, जो आपके बहुत काम आयेगी। आज अपने आप को एकदम फिट एंड फाइन रखने के लिए एक्सरसाइज करें। आज आपका व्यापार अच्छा चलेगा, साथ ही कुछ और शुरू करने का मन बनायेंगे।

मीन राशि: मीन राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज किसी खास मेहमान के स्वागत सत्कार में आप व्यस्त रहेंगे और परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। आज आपको किसी महत्वपूर्ण काम को पूरा करने में सफलता प्राप्त होगी। आज पूरा दिन आप ऊर्जा से भरे रहेंगे, आय के नए स्रोत भी आपको मिलेंगे।

एशियन गेम्स में भारतीय पुरुष हॉकी टीम की धमाकेदार शुरुआत, इंडोनेशिया को 13-1 से हराया

एजेंसी, काकामिगाहारा (जापान)

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एशियन गेम्स-2026 में अपने अभियान का आगाज जीत के साथ किया है। भारतीय टीम ने रविवार को पूल ए के मुकाबले में इंडोनेशिया को 13-1 से करारी शिकस्त दी। गिफू प्रिफेक्चरल ग्रीन स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में भारत ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा। मुकाबले में भारत की ओर से आठ अलग-अलग खिलाड़ियों ने गोल किए। दिलप्रीत सिंह सबसे बड़े स्टार रहे। उन्होंने अकेले चार गोल दागे। मुकाबले में भारतीय टीम को छठे मिनट में शिलानंद लकरा ने गोल कर 1-0 से बढ़त दिलाई। इसके बाद 12वें मिनट में अभिषेक ने भारत की बढ़त दोगुनी कर दी। इंडोनेशियाई गोलकीपर ने शुरुआती दौर में भारत के कुछ प्रयासों को रोकते, लेकिन भारत ने अपना दबाव कायम रखा। पहले क्वार्टर के अंत



तक भारत 2-0 से आगे था। दूसरे क्वार्टर में दिलप्रीत सिंह ने दो मिनट के भीतर दो गोल (18वें और 19वें मिनट में) करके बढ़त को 4-0 कर दिया। फिर 19वें मिनट में राजेंद्र सिंह ने बेहतरीन फिनिशिंग के साथ गोल दागा और 21वें मिनट में मनदीप सिंह ने भी अपना पहला गोल किया। हरमनप्रीत सिंह ने 28वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर से एक और गोल दागा। भारत ने हाफ टाइम तक 7-0 की मजबूत बढ़त बना

ली। इंडोनेशिया ने तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में अपना पहला गोल दागा। औलिया अल अर्द्ध ने 33वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील कर स्कोर 7-1 कर दिया। भारत ने तुरंत जवाब दिया और 35वें मिनट में शिलानंद लकरा ने अपना दूसरा गोल दागा। इसके बाद दिलप्रीत सिंह ने अपनी हैट्रिक (37वें मिनट में) पूरी की। सुखजीत सिंह ने 38वें मिनट में गोल दागकर तीसरे क्वार्टर के अंत तक भारतीय

टीम की बढ़त को 10-1 तक पहुंचा दिया। अंतिम क्वार्टर में भी भारत ने अपना आक्रामक खेल जारी रखा। जुगराज सिंह ने 47वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर के दूसरे प्रयास को गोल में तब्दील कर दिया, जबकि उनका पहला प्रयास डिफेंडर द्वारा रोक दिया गया था। सुखजीत सिंह ने 48वें मिनट में अपना दूसरा गोल दागा। इसके बाद 49वें मिनट में दिलप्रीत सिंह ने मैच का अपना चौथा गोल किया और भारत की बढ़त 13-1 कर दी। अंत में बचे हुए समय में इंडोनेशिया ने सर्कल में गेंद पर कब्जा बनाए रखने की कोशिश की, लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति ने उन्हें ज्यादा मौके नहीं दिए। इंडोनेशिया के खिलाफ शानदार जीत के साथ भारत ने पूल ए में अपने अभियान की मजबूत शुरुआत कर दी है। अब भारतीय टीम अपने अगले मुकाबले में 22 सितंबर को श्रीलंका का सामना करेगी।

एशियाई खेलों में शतक लगाने वाली पहली महिला क्रिकेटर बनीं शेफाली वर्मा

एजेंसी, निरिगन (जापान)

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने एशियाई खेल-2026 में शतक लगाकर इतिहास रच दिया। वह पहली महिला क्रिकेटर बन गई हैं, जिन्होंने एशियाई खेलों में शतक लगाया है। उन्होंने यह उपलब्धि रविवार को कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे सेमीफाइनल के दौरान हासिल की। मुकाबले में दारु हाथ की इस युवा सलामी बल्लेबाज ने 49 गेंदों पर नाबाद 100 रन बनाए। उनकी इस विस्फोटक पारी में तीन चौके और नौ छक्के शामिल थे। उनकी पारी की मदद से भारतीय महिला टीम ने दूसरे



सेमीफाइनल में बांग्लादेश महिला टीम को 114 रनों के बड़े अंतर से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। शेफाली वर्मा की इस विस्फोटक पारी ने उन्हें महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कई रिकॉर्ड बनाने में भी मदद की। वह एशियाई खेलों में शतक लगाने वाली पहली महिला क्रिकेट तो बनी हैं, साथ

में कई अन्य उपलब्धि भी उन्होंने अपने नाम की है। सफेद गेंद क्रिकेट में पहला शतक लगाकर शेफाली टी-20 अंतरराष्ट्रीय में भारत के लिए शतक लगाने वाली तीसरी महिला खिलाड़ी बनी हैं। उनसे पहले स्मृति मंधाना ने दो बार (वर्ष 2026 में 124 और वर्ष 2025 में 112 रन) और हरमनप्रीत

कौर ने वर्ष 2018 में शतक (103 रन) लगाया था। शेफाली ने महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे अधिक छक्कों की सूची में भी अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। अब उनके नाम इस प्रारूप में 104 छक्के हो गए हैं और स्मृति मंधाना के 100 छक्के के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। शेफाली वर्मा ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत के लिए सबसे तेज शतक लगाने के मामले में हरमनप्रीत कौर की बराबरी कर ली। शेफाली और हरमनप्रीत ने 49 गेंदों में शतक लगाया है। एक कैलेंडर ईयर में टी-20 अंतरराष्ट्रीय में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड शेफाली वर्मा ने अपने नाम कर लिया है।

सेल आईएसपी के कुंतल दास ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर लहराया तिरंगा, पावरलिफ्टिंग में जीते स्वर्ण-रजत पदक

एजेंसी, पश्चिम बर्दवान

पश्चिम बंगाल में सेल के आईएसपी बर्नपुर संयंत्र में कार्यरत पावरलिफ्टर कुंतल दास ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत और सेल-आईएसपी का नाम रोशन किया है। कनाडा के विलिपेग में 17 से 27 सितंबर 2026 तक आयोजित राष्ट्रमंडल पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता में कुंतल दास ने 120 किलो से अधिक भार वर्ग के मास्टर्स-1 वर्ग में स्वर्ण और रजत पदक अपने नाम किया। कुंतल दास ने उपकरणयुक्त बेंच प्रेस स्पर्धा में दमदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। इसके अलावा उन्होंने प्रतियोगिता की



एक अन्य बेंच प्रेस स्पर्धा में रजत पदक जीतकर वर्ष 2026 के अपने राष्ट्रमंडल अभियान का शानदार समापन किया। मैनिटोबा प्रांत की राजधानी विलिपेग में आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में विभिन्न देशों के शीर्ष पावरलिफ्टरों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में पुरुष और महिला खिलाड़ियों के लिए अलग-अलग भार वर्ग निर्धारित किए गए थे। वरिष्ठ, युवा और मास्टर्स वर्ग में

पारंपरिक बेंच प्रेस तथा उपकरणयुक्त बेंच प्रेस सहित विभिन्न स्पर्धाएं आयोजित की गईं। 120 किलो से अधिक भार वर्ग पावरलिफ्टिंग की कठिनतम श्रेणियों में शामिल माना जाता है। इस वर्ग में कुंतल दास के प्रदर्शन ने उन्हें भारतीय दल के प्रमुख खिलाड़ियों में स्थान दिलाया। उन्होंने अपने दमदार प्रदर्शन से भारत के लिए पदक हासिल कर अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का गौरव बढ़ाया। कुंतल दास का अंतरराष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग में इससे पहले भी शानदार रिकॉर्ड रहा है। वर्ष 2025 में जापान में आयोजित एशिया-प्रशांत-अफ्रीका पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता में उन्होंने 120 किलो से अधिक भार वर्ग के मास्टर्स वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था।

एशियन गेम्स में भारतीय महिला हॉकी टीम की धमाकेदार शुरुआत, उज्बेकिस्तान को 19-0 से हराया

एजेंसी, काकामिगाहारा (जापान)

भारतीय महिला हॉकी टीम ने एशियन गेम्स-2026 में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की है।काकामिगाहारा में खेले गए पूल बी के अपने पहले मुकाबले में भारत ने उज्बेकिस्तान को 19-0 से करारी शिकस्त दी। भारत की इस बड़ी जीत की सबसे बड़ी स्टार दीपिका रहीं, जिन्होंने अकेले आठ गोल दागकर मुकाबले को एकतरफा बना दिया। इशिका ने हैट्रिक पूरी की। भारत की ओर से कुल आठ अलग-अलग खिलाड़ियों ने गोल किए। इस मुकाबले के दौरान अनुभवी

गोलकीपर सविता ने भी एक बड़ी व्यक्तिगत उपलब्धि हासिल की और भारत की ओर से सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली महिला हॉकी खिलाड़ियों के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। मुकाबले में भारतीय महिला टीम को शुरुआती बढ़त के लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ा। सातवें मिनट में लालरेमसियामी ने फील्ड गोल कर भारत का खाता खोला। इसके तुरंत बाद आठवें मिनट में दीपिका ने गोल करते हुए भारत की बढ़त 2-0 कर दी। इसके बाद 11वें मिनट में इशिका ने भारत के लिए तीसरा गोल दागा। 12वें मिनट में बलजीत कौर ने गोल कर



स्कोर 4-0 कर दिया। यह बलजीत कौर का भारत के लिए 50वां सीनियर अंतरराष्ट्रीय मुकाबला भी था। पहले क्वार्टर की समाप्ति तक भारत ने 4-0 की मजबूत बढ़त बना ली थी। दूसरे क्वार्टर में भी भारतीय टीम ने अपनी आक्रामक रणनीति

जारी रखी। 18वें मिनट में नेहा ने गोल कर भारत को 5-0 से आगे कर दिया। इसके बाद भारत को 22वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला और दीपिका ने इस मौके को गोल में बदलने में कोई गलती नहीं की। 23वें मिनट में नवनीत कौर ने भी

गोल दाग दिया। इसके दो मिनट बाद यानी 25वें मिनट में दीपिका ने एक और पेनल्टी कॉर्नर गोल में तब्दील किया। हाफ टाइम तक भारत ने 8-0 की विशाल बढ़त बना ली थी। उज्बेकिस्तान के पास भारतीय आक्रमण का जवाब देने के लिए कोई मौका नहीं था। तीसरे क्वार्टर में तो दीपिका ने गोलों की झड़ी लगा दी। उन्होंने 33वें से 41वें मिनट के बीच लगातार चार गोल किए। इन चार गोलों के साथ दीपिका ने मैच में अपने गोलों की संख्या सात तक पहुंचा दी। उनके शानदार प्रदर्शन ने उज्बेकिस्तान की रक्षापंक्ति को पूरी तरह दबाव में ला दिया।

अगले सप्ताह फिर होगी आईपीओ की बरसात, 18 कंपनियां के पब्लिक इश्यू की होगी लॉन्चिंग

■ 14 कंपनियों के शेयरों की स्टॉक मार्केट में होगी लिस्टिंग

एजेंसी, नई दिल्ली

सोमवार यानी 21 सितंबर से शुरू हो रहा कारोबारी सप्ताह आईपीओ के लिहाज से काफी हलचल वाला रहे वाला है। नए हफ्ते में 18 कंपनियां अपने पब्लिक इश्यू लॉन्च करने जा रही हैं। इनमें से छह मेनबोर्ड सेगमेंट से हैं। जबकि शेष 12 कंपनियां एसएमई सेगमेंट की हैं। इसके अलावा नए सप्ताह में पहले से खुले पांच आईपीओ में भी पैसे लगाने का मौका रहेगा। कल से शुरू हो रहे नए सप्ताह में 14 कंपनियों के शेयर लिस्टिंग के जरिये स्टॉक मार्केट में अपनी शुरुआत करने वाले हैं। इनमें से छह कंपनियां मेनबोर्ड सेगमेंट की हैं। जबकि शेष 8 कंपनियां एसएमई सेगमेंट की हैं। सप्ताह के पहले कारोबारी

दिन 21 सितंबर को विवेकानंद कोट्सपिन का 22.20 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में 23 सितंबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 32 रुपये प्रति शेयर से लेकर 37 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 3,000 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 28 सितंबर को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इसी दिन यानी 21 सितंबर को ही एसएमई सेगमेंट का दूसरा आईपीओ एफएक्स मल्टीटेक भी सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा, जिसका कुल साइज 45.24 करोड़ रुपये है। इसमें भी 23 सितंबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 110 रुपये प्रति शेयर से लेकर 116 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। आईपीओ



की क्लोजिंग के बाद 28 सितंबर को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। 21 सितंबर को ही खुलने वाला तीसरा इश्यू रोबोकिट्स एडवेंचर्स का है, जो करीब 31.09 करोड़ रुपये जुटाने बाजार में आ रहा है। 23 सितंबर तक खुले रहने वाले इस पब्लिक इश्यू के लिए 100 रुपये प्रति शेयर से लेकर 106 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड और 1,200 शेयरों का लॉट साइज तय किया गया है। इसकी लिस्टिंग 28 सितंबर को

बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर हो सकती है। इसके अगले दिन 22 सितंबर को वरमोरो प्रैग्निटो का 708.02 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में 24 सितंबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 140 रुपये प्रति शेयर से लेकर 148 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 101 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 29 सितंबर को

बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इसी दिन हिमालय न्यूट्रोवेदिक्स का 26.50 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में भी 24 सितंबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 100 रुपये प्रति शेयर से लेकर 106 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 29 सितंबर को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इसके अलावा मंगलवार को ही आनंद सीमलेस का 25.52 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में भी 24 सितंबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 72 रुपये प्रति शेयर का फिक्स प्राइस तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,600 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद

29 सितंबर को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इसके अगले दिन 23 सितंबर बुधवार को एलिवेट कैपेससे का 2,100 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में 25 सितंबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 343 रुपये प्रति शेयर से लेकर 362 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 41 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 30 सितंबर को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इसी दिन आरमी इंफोटेक का 300 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में भी 25 सितंबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 350 रुपये प्रति शेयर से लेकर 375 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 40 शेयर का है।

सर्पाफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बड़ी चमक

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्पाफा बाजार में आज तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। कीमत में उछाल आने के कारण देश के ज्यादातर सर्पाफा बाजार में सोना आज 1,290 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,410 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया। इसी तरह हाजिर चांदी के भाव में भी आज देश के ज्यादातर सर्पाफा बाजार में 4,900 रुपये प्रति किलोग्राम तक की मजबूती दर्ज की गई है। कीमत में हुए इस बदलाव के कारण देश के ज्यादातर सर्पाफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,55,840 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,55,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोने की कीमत 1,43,000 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। दिल्ली में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,42,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रेटेल कीमत 1,55,890 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,900 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,55,840 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,42,850 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

के कारोबार में 24 कैरेट सोना 1,260 रुपये प्रति 10 ग्राम तक उछल गया। इसी तरह 22 कैरेट सोना साप्ताहिक आधार पर 1,150 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया। चांदी भी कमजोर ग्लोबल संकेतों की वजह से पिछले सप्ताह के कारोबार में तेजी दिखाता रहा। कीमत में आए उछाल के कारण चांदी का भाव सप्ताहिक आधार पर दस हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक चढ़ गया है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,55,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,43,000 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,55,840 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,42,850 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

एयर इंडिया बनी बेस्ट एयरलाइन, स्काईट्रैव्स वर्ल्ड एयरलाइन अवार्ड्स 2026 में मिले तीन बड़े सम्मान

■ स्काईट्रैव्स वर्ल्ड एयरलाइन अवार्ड्स में एयर इंडिया को भारत की 'बेस्ट एयरलाइन' का खिताब

एजेंसी, नई दिल्ली

टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया देश की सर्वश्रेष्ठ विमानन कंपनी बन गई है। स्काईट्रैक्स वर्ल्ड एयरलाइन अवार्ड्स 2026 में कंपनी ने तीन बड़े सम्मान हासिल किए हैं। एयर इंडिया ने 2026 की रैंकिंग में पहला स्थान हासिल किया है, इसके बाद इंडीगो और अकासा एयर का स्थान है। एयर इंडिया ने शनिवार को 'एक्स' पर जारी एक पोस्टर में बताया कि 'स्काईट्रैक्स वर्ल्ड एयरलाइन अवार्ड्स 2026' में हमें तीन बड़े



सम्मान मिले हैं, जो हमारे बदलाव की प्रक्रिया में एक और अहम पड़ाव है। कंपनी को 'भारत की सर्वश्रेष्ठ एयरलाइन' और 'भारत और दक्षिण एशिया में सर्वश्रेष्ठ एयरलाइन स्टाफ' का अवॉर्ड मिला है। इसके अलावा कंपनी को बिजनेस क्लास और इकोनॉमी क्लास के लिए स्काईट्रैक्स 4-स्टार एयरलाइन सर्टिफिकेशन मिला है। इससे पहले एयर इंडिया की रेटिंग 3-स्टार थी। कंपनी के मुताबिक इन सम्मानों में 'भारत की सर्वश्रेष्ठ

एयरलाइन' और 'भारत और दक्षिण एशिया में सर्वश्रेष्ठ एयरलाइन स्टाफ' के साथ बिजनेस क्लास और इकोनॉमी क्लास के लिए स्काईट्रैक्स 4-स्टार एयरलाइन सर्टिफिकेशन शामिल है। एयरलाइन ने कहा कि हम आगे के काम पर ध्यान केंद्रित किए हुए हैं, हम अपने लोगों, उड़ानों, टेक्नोलॉजी और कस्टमर एक्सपीरियंस में निवेश करना आगे जारी रखेंगे, ताकि हम भारतीय दिल वाला एक वर्ल्ड-क्लास ग्लोबल एयरलाइन बना सकें।

मारुति सुजुकी का वित्त वर्ष 2026-27 में 10 लाख हरित वाहन बेचने का लक्ष्य

एजेंसी, नई दिल्ली । कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 में सीएनजी, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों को मिलाकर 10 लाख हरित वाहन बेचने का लक्ष्य रखा है। एमएसआईएल ने शनिवार को एक बयान में कहा कि कंपनी को कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और सीएनजी वाहनों में स्वचालित ट्रांसमिशन की शुरुआत से इस लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलने की उम्मीद है। कंपनी ने शुक्रवार को अपने 'ऑटो ग्रीन मिशन' के तहत अपनी लोकप्रिय स्विफ्ट, डिजायर व बलेनो कारों के ऑटोमैटिक एस-सीएनजी वेरिएंट लॉन्च किए। कंपनी के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (विपणन एवं बिक्री) पार्थो बनर्जी ने बताया कि सीएनजी श्रेणी में करीब 70 फीसदी बाजार हिस्सेदारी रखने वाली एमएसआईएल को पहले चालू वित्त वर्ष में आठ से नौ लाख हरित वाहन बेचने की उम्मीद थी। हालांकि, नए स्वचालित ट्रांसमिशन वाले मॉडल पेश किए जाने के बाद कंपनी ने बिक्री का अनुमान बढ़ाकर 10 लाख इकाई के करीब कर दिया है। बनर्जी ने कहा कि सीएनजी मॉडल पहले पेट्रोल-स्वचालित वाहनों से प्रतिस्पर्धा में पिछड़ जाते थे क्योंकि उनमें स्वचालित ट्रांसमिशन का विकल्प नहीं था। उन्होंने कहा कि हरित वाहन ऐसे पर्यावरण-अनुकूल वाहन हैं जो पारंपरिक पेट्रोल या डीजल की तुलना में बहुत कम या शून्य प्रदूषण फैलाते हैं।

आरबीआई ने महाराष्ट्र के मंत्री पाटिल सहित आठ को लातूर डीसीसी बैंक से हटाने का दिया आदेश

पाटिल समेत आठ लोगों को लातूर डीसीसी बैंक के निदेशक के पद से हटाने का दिया आदेश

एजेंसी, नई दिल्ली

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने एक अहम कदम कदम उठाते हुए महाराष्ट्र के सहकारिता मंत्री बाबा साहेब पाटिल और लातूर जिला सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक के सात अन्य निदेशकों को उनके पद से हटाने का निर्देश दिया है। आरबीआई ने यह कार्रवाई निदेशकों द्वारा 10 साल की अधिकतम कार्यकाल सीमा के उल्लंघन करने के कारण की है।



केंद्रीय बैंक का यह आदेश बॉम्बे हाई कोर्ट की औरंगाबाद पीठ के निर्देशों के बाद आया है। आरबीआई ने महाराष्ट्र के सहकारिता मंत्री बाबासाहेब पाटिल समेत लातूर जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंक (डीसीसी बैंक) के आठ निदेशकों को पद से हटाने का

आदेश दिया है। उल्लेखनीय है कि पाटिल उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) से जुड़े हैं। यह दल उप-मुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार के नेतृत्व में है। बैंक में 10 साल की अधिकतम कार्यकाल सीमा पूरी होने पर ये कार्रवाई की गई है।

बिग बॉस 20: किचन के काम को लेकर आमपाली दुबे और माही विज में तकरार

बिग बॉस 20 के अपकमिंग एपिसोड में भोजपुरी अभिनेत्री आमपाली दुबे और माही विज के बीच चिकन बनाने को लेकर तीखी बहस देखने को मिलेगी, जिसमें बात इतनी बढ़ जाएगी कि दोनों एक-दूसरे को शट अप कहती नजर आएंगी। कलर्स चैनल द्वारा इंस्टाग्राम पर जारी किए गए बिग बॉस 20 के नए प्रोमो में दोनों के बीच हुई इस तीखी बहस की झलक देखने को मिलती है। प्रोमो के साथ कैप्शन में लिखा गया है, माही विज और आमपाली दुबे की नोकझोंक ने लिया सीरियस टर्न। वीडियो की शुरुआत किचन से होती है, जहां माही, कुकिंग टीम से चिकन को लेकर सवाल करती हैं। इस टीम में आमपाली दुबे भी शामिल हैं। माही चिकन की सब्जी में आलू डालने को लेकर प्रश्न करती हैं, जिसके बाद आमपाली उन्हें जवाब देती नजर आती हैं। आमपाली माही से कहती हैं कि कुकिंग टीम को अपना काम करने दिया जाए। वह आगे कहती हैं, जो लोग कुकिंग टीम का हिस्सा नहीं हैं, उन्हें किचन से बाहर चले जाना चाहिए। आमपाली की यह बात माही को पसंद नहीं आती और उनका गुस्सा बढ़ जाता है। गुस्से में माही किचन से बाहर निकल जाती हैं और आमपाली से कहती हैं, तुम मेरे लिए कुछ नहीं हो। माही की इस बात पर आमपाली भी चुप नहीं रहती और जवाब देती हुई कहती हैं, यहां आकर बात मत करो। इसके बाद दोनों के बीच बहस और तेज हो जाती है। माही आमपाली पर तंज कसते हुए कहती हैं, इसके मुंह लागूगी? अम्मा की तरह बैठ गई। इस पर आमपाली भी माही को जवाब देती हैं कि वह चार लोगों के साथ बैठती हैं और वह उन चार लोगों में शामिल नहीं हैं। प्रोमो के आखिर में मामला इतना गरम हो जाता है कि दोनों एक-दूसरे को शट अप कहती नजर आती हैं, जिससे घर का माहौल और गरमा जाता है। बिग बॉस 20 की शुरुआत 6 सितंबर से हुई है। इस सीजन में मनोरंजन और विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े 16 सेलिब्रिटी प्रतियोगियों को घर में लाया गया है। शो में एससी मैरी कॉम, कनिका मान, माही विज, कुशाल तंवर, अमन गांधी, ईशा रिखी, अरिश्मा खान, काजी तौकीर, आसिफ खान, आमपाली दुबे, रीति तिवारी, उदित सिंह, तन्मय सिंह उर्फ स्काउटओपी, रोहंद खान, यंग डीएसएफ और लव गिल जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। बिग बॉस भारतीय हिंदी रियलिटी शो है, जो डच फॉर्मेट बिग ब्रदर पर आधारित है। बिग बॉस 20 का प्रसारण कलर्स चैनल पर होता है, जबकि दुर्ग इस जियोसिनेमा पर भी देख सकते हैं। बता दें कि बिग बॉस 20 के घर में प्रतियोगियों के बीच छोटी-छोटी बातों पर होने वाली नोकझोंक अब धीरे-धीरे बड़े झगड़ों का रूप लेती जा रही है। किचन की जिम्मेदारियों से लेकर खाने के मेन्यू तक, घर में अक्सर कंटेस्टेंट्स के बीच मतभेद सामने आते रहते हैं।



इरुमुडी ने 28वें दिन भी बॉक्स ऑफिस पर दिखाया दम, चार हफ्तों में कर डाली छप्पर फाड़ कमाई

वर्ल्डवाइड कलेक्शन भी 238 करोड़ के पार

तेलुगु सिनेमा के पॉपुलर स्टार रवि तेजा की फिल्म इरुमुडी 21 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. फिल्म ने पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है. इसे रिलीज हुए चार हफ्ते पूरे हो चुके हैं, लेकिन अब भी इसकी कमाई जारी है. खास बात ये है कि ओटीटी पर रिलीज होने के बावजूद फिल्म को सिनेमाघरों में दर्शक मिल रहे हैं. सैकलिक की अर्ली ट्रेड रिपोर्ट के मुताबिक, इरुमुडी ने 28वें दिन भारत में करीब 95 लाख रुपये का नेट कलेक्शन किया. 27वें दिन भी फिल्म ने इतनी ही कमाई की थी. 28वें दिन देशभर में फिल्म के 1,327 शोज थे. चार हफ्तों में इरुमुडी का भारत में नेट कलेक्शन 186.10 करोड़ रुपये हो गया है, जबकि फिल्म ने भारत में 216.20 करोड़ रुपये का ग्राँस कलेक्शन किया है. फिल्म ने पहले हफ्ते में 92.15 करोड़ रुपये, दूसरे हफ्ते में 57.60 करोड़ रुपये, तीसरे हफ्ते में 24.70 करोड़ रुपये और चौथे हफ्ते में 11.65 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया. इस तरह चार हफ्तों में फिल्म की कुल कमाई 186.10 करोड़ रुपये हो गई है. 28वें दिन तेलुगु 2थ वर्जन की कुल ऑन्यूप्रेसी 15.68 फीसदी रही. सुबह के शोज में 11.64 फीसदी, दोपहर में 11.82 फीसदी, शाम में 17.27 फीसदी और रात के शोज में 12.55 फीसदी ऑन्यूप्रेसी दर्ज की गई. इरुमुडी ने ओवरसीज मार्केट में 22.45 करोड़ रुपये का ग्राँस कलेक्शन किया है. भारत और विदेशों की



कमाई मिलाकर इरुमुडी का वर्ल्डवाइड ग्राँस कलेक्शन 238.65 करोड़ रुपये हो गया है. फिल्म की कमाई में भले ही अब पहले जैसी तेजी नहीं है, लेकिन चार हफ्ते बाद भी इसका कलेक्शन जारी है. बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की पकड़

अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुई है. इरुमुडी का निर्देशन शिवा निर्वाण ने किया है और फिल्म की कहानी भी उन्होंने ही लिखी है. इस एक्शन ड्रामा फिल्म में प्रिया भवानी शंकर, साई कुमार और शिशु नक्षत्र भी अहम भूमिकाओं में नजर आए

रणवीर और दीपिका ने सिद्धिविनायक मंदिर में लिया गणपति का आशीर्वाद

वॉ बॉलीवुड के सबसे लोकप्रिय कपल्स में से एक, रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण जल्द ही दूसरी बार माता-पिता बनने वाले हैं। गणेशोत्सव के पावन अवसर पर, दोनों मुंबई के प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर पहुंचे और भगवान गणपति का आशीर्वाद लिया। इस दौरान दोनों पारंपरिक परिधानों में नजर आए, जो त्योहार के माहौल के लिए बिल्कुल उपयुक्त था। दीपिका को बेबी बंप के साथ काफी सावधानी से चलते हुए देखा गया, जबकि रणवीर भीड़ के बीच से तेजी से आगे बढ़कर उनके पास पहुंचे, यह दर्शाता है कि वह अपनी पत्नी का कितना ध्यान रख रहे हैं। मंदिर के लिए दीपिका ने हॉट ऑरेंज, जंगल ग्रीन और पर्पल शेड्स के कॉम्बिनेशन वाला एक खूबसूरत मैटरनटी एथनिक आउटफिट चुना था, जिसमें वह बेहद आकर्षक लग रही थीं। वहीं, रणवीर पर्पल कलर के कुर्ते और सफेद पायजामे में नजर आए। उनका लुक साधारण था, लेकिन त्योहार के लिए एकदम परफेक्ट। मंदिर के बाहर रणवीर और दीपिका को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। दीपिका बेबी बंप के साथ सावधानी से आगे बढ़ रही थीं, तभी रणवीर भीड़ को पार करते हुए तेजी से उनके पास पहुंचे और साथ चलने लगे। दोनों ने मंदिर में भगवान गणपति के दर्शन किए और



आशीर्वाद प्राप्त किया, यह पल उनके जीवन के इस नए अध्याय के लिए विशेष था। सिद्धिविनायक मंदिर जाने से ठीक एक दिन पहले, रणवीर सिंह मुंबई के मशहूर लालबागचा राजा के दर्शन करने भी पहुंचे थे। वह करी रोड इलाके में स्थित नवसाचा गणपति के दर्शन करने गए थे, जहां वह क्रोम कलर के कुर्ते में नजर आए और बप्पा का आशीर्वाद लिया। रणवीर और दीपिका अपने दूसरे बच्चे के स्वागत का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इससे पहले, सितंबर 2024 में दोनों एक प्यारी बेटी के माता-पिता बने थे, जिसका नाम उन्होंने दुआ रखा है। कपल ने दुआ को अब तक ज्यादातर मीडिया और पब्लिक की नजरों से दूर रखा है, और सोशल मीडिया पर भी उसकी कुछ ही झलकियां साझा की हैं। सितंबर 2026 में दुआ के दूसरे जन्मदिन के मौके पर रणवीर और दीपिका ने बेटी की शुरुआती दिनों की कुछ तस्वीरें शेयर की थीं, जिनमें दीपिका की मैटरनटी शूट की झलक भी देखने को मिली थी। इससे पहले, अप्रैल 2026 में कपल ने अपने दूसरे बच्चे के आने की खुशखबरी फैंस के साथ साझा की थी। रणवीर और दीपिका ने नवंबर 2018 में इटली के लेक कोमो में करीबी लोगों की मौजूदगी में शादी की थी, जिसकी रस्में कोंकणी हिंदू और सिख आनंद कारज परंपरा के अनुसार हुई थीं।

उपेंद्र का ‘जॉम्बी रेड्डी 2 एनएक्सटी एलवीएल से दमदार पहला लुक जारी

जंगल में उल्टे लटके नजर आए कन्नड़ स्टार सात भाषाओं में रिलीज होगी फिल्म

कन्नड़ सिनेमा के लोकप्रिय अभिनेता उपेंद्र की आगामी फिल्म 'जॉम्बी रेड्डी 2 एनएक्सटी एलवीएल : डेड और अलाइव से उनका दमदार पहला लुक जारी कर दिया गया है। फिल्म में तेजा सच्चा मुख्य भूमिका में हैं। इसका निर्माण फिल्मकार प्रशांत वर्मा ने किया है, जबकि सुपर्ण एस. वर्मा फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं। यह फिल्म फ्रेंचाइजी के बढ़ते सुपरहीरो संसार में एक और डरावनी, रोमांचक और एक्शन से भरपूर कहानी पेश करने वाली है। उपेंद्र के जन्मदिन के अवसर पर जारी किए गए पोस्टर में अभिनेता बेहद आक्रामक और रौबदार अंदाज में दिखाई दे रहे हैं। पोस्टर में वह घने जंगल के बीच एक विशाल पेड़ की टहनੀ से उल्टे लटके हुए हैं और उनके हाथ में एक बड़ा आदिवासी हथियार नजर आ रहा है। बिखरे हुए लंबे बाल, चेहरे पर तीखे भाव, जलती मशालें और रहस्यमयी आकृतियां पोस्टर के माहौल को रहस्य और रोमांच से भर देती हैं। फिल्म में शनाया कपूर महिला मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। इस फिल्म के जरिए वह तेलुगु सिनेमा में पदार्पण करने जा रही हैं। टी.जी. विश्व प्रसाद और कृति प्रसाद पोपल मीडिया फैक्ट्री के बैनर तले फिल्म का निर्माण कर रहे हैं, जबकि प्रशांत वर्मा इसके रचनाकार के रूप में जुड़े हुए हैं। उपेंद्र ने फिल्म में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए शूटिंग शुरू कर दी है। निर्माताओं के अनुसार, उनका किरदार कहानी में अहम भूमिका निभाएगा। तेजा सच्चा की मौजूदगी वाले शुरुआती शीर्षक टीजर के बाद अब



उपेंद्र का पहला लुक सामने आने से फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ गई है। फिल्म की तकनीकी टीम में संगीतकार गौरा हरि, छायाकार अभिनंदन रामानुजम और संपादक विजय वेलुकुट्टी शामिल हैं। फिल्म को बड़े पैमाने पर तैयार किया जा रहा है और इसमें डरावने दृश्यों के साथ एक्शन तथा रोमांच का भी मेल देखने को मिलेगा। 'जॉम्बी रेड्डी 2 एनएक्सटी एलवीएल : डेड और अलाइव' को तेलुगु के साथ तमिल, कन्नड़, मलयालम, हिंदी, नेपाली

और जापानी भाषाओं में रिलीज करने की योजना है। फिल्म के निर्माताओं को उम्मीद है कि अलग-अलग भाषाओं में रिलीज के जरिए यह सुपरहीरो संसार व्यापक दर्शक वर्ग तक पहुंचेगा। तेजा सच्चा वाले शुरुआती शीर्षक टीजर के बाद उपेंद्र का यह पहला लुक फिल्म की कहानी और उनका किरदार को लेकर नए सवाल खड़े करता है। पोस्टर में उनका रहस्यमयी और आक्रामक अवतार फिल्म के हॉरर और रोमांचक पहलू की झलक देता है।

मुझे नहीं पता, किसने किसका धर्म बदलने की कोशिश की: अरहान खान

अअसीम रियाज पर लगे धर्म परिवर्तन के लिए डालने के आरोपों के बाद बिग बॉस-13 के उनके साथी कंटेस्टेंट अरहान खान ने असीम रियाज का बचाव किया है। पंजाबी अभिनेत्री हिमांशी खुराना के एक्स-बॉयफ्रेंड असीम के पक्ष में बोलते हुए अरहान ने कहा है कि उन्हें नहीं लगता कि असीम ऐसा कुछ कर सकते हैं। अरहान खान ने एक बातचीत में अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, मुझे नहीं पता कि किसने किसका धर्म बदलने की कोशिश की, क्योंकि मैंने इस बारे में असीम या हिमांशी किसी से बात नहीं की है। मेरा मानना है कि हमें ऐसी बातों से दूर रहना चाहिए और उन पर चर्चा नहीं करनी चाहिए, क्योंकि हमें सच का नहीं पता। उन्होंने यह भी बताया कि हिमांशी ने पॉडकास्ट पर एक अलग संदर्भ में बात की थी, जिसे बाद में उन्होंने स्पष्ट भी किया। असीम के बचाव में अरहान ने जोर देकर कहा, मुझे नहीं लगता कि



असीम ऐसा कुछ कर सकते हैं। अगर आप मुझसे कहेंगे कि असीम रियाज ने किसी को थप्पड़ मारा या गाली दी, तो मैं मान लूंगा, लेकिन अगर आप यह कहें कि असीम ने धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डाला, तो इस पर यकीन करना बहुत मुश्किल है। मैं उसे जानता हूँ और वह इतनी छोटी सोच वाला इंसान नहीं है।

अभिनेता ने इस मामले को यहीं खत्म करने की अपील करते हुए कहा, इस बात को बेवजह मसाला डालकर मत

फैलाओ। जो भी यह सब कर रहा है, कृपया इस मामले को यहीं खत्म करें। उल्लेखनीय है कि हाल ही में हिमांशी खुराना, पारस खबड़ा के पॉडकास्ट में शामिल हुई थीं, जहां उन्होंने असीम का नाम लिए बिना अपने पिछले रिश्ते पर बात की थी। उस बातचीत के दौरान उन्होंने बताया था कि कैसे धर्म को लेकर मतभेदों ने उनके रिश्ते को प्रभावित किया। उन्होंने आरोप लगाया था कि उनके तत्कालीन पार्टनर ने उनसे अपने धर्म के बारे में बात की थी और चाहते थे कि वे उसे समझें और अपना लें। हिमांशी ने कहा कि वह ऐसा नहीं करना चाहती थीं, क्योंकि उन्हें लगा था कि ऐसा करना उनके अपने धर्म के साथ धोखा होगा। उन्होंने यह भी बताया कि एक समय ऐसा आया था जब वह यह सोचने लगी थीं कि यदि उन्होंने कोई दूसरा धर्म अपना लिया तो उनका अंतिम संस्कार दाह विधि से होगा या फिर उन्हें दफनाया जाएगा।



स्किन केयर प्रोडक्ट्स का चयन करते समय कई लोग सिर्फ विज्ञापनों या दूसरों की सलाह पर निर्भर रहते हैं। इससे त्वचा को फायदा कम और नुकसान ज्यादा हो सकता है। सही स्किन केयर प्रोडक्ट्स का चयन करने के लिए आपको अपनी त्वचा के प्रकार, जरूरतों और संवेदनशीलता को समझना जरूरी है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी बातें बताते हैं, जिनका ध्यान रखकर आप अपनी त्वचा के लिए सही स्किन केयर प्रोडक्ट्स का चयन कर सकते हैं। हर किसी की त्वचा अलग होती है, इसलिए सबसे पहले अपनी त्वचा के प्रकार को समझें। आपकी त्वचा तैलीय, सूखी, मिश्रित या

स्किन केयर प्रोडक्ट्स खरीदने से पहले इन 5 बातों का रखें ध्यान, होगा फायदा

संवेदनशील हो सकती है। इसके अनुसार ही स्किन केयर प्रोडक्ट्स का चयन करें। उदाहरण के लिए अगर आपकी त्वचा रूखी है तो नमी देने वाली क्रोम और सीरम का इस्तेमाल करें, वहीं तैलीय त्वचा वालों को बिना तेल वाले मॉइस्चराइजर चुनना चाहिए। संवेदनशील त्वचा वालों को ऐसे प्रोडक्ट्स चुनने चाहिए, जिनमें प्राकृतिक तत्व शामिल हों। स्किन केयर प्रोडक्ट्स खरीदते समय उनके घटकों पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। हमेशा ऐसे प्रोडक्ट्स चुनें, जिनमें प्राकृतिक तत्व शामिल हों और कम रसायन हों। हानिकारक रसायनों वाले प्रोडक्ट्स से बचें। इसके बजाय विटामिन-



सी, विटामिन-ई, एलोवेरा और हयाल्यूरिक एसिड जैसे प्राकृतिक तत्वों से भरपूर प्रोडक्ट्स का चयन करें। यह आपकी त्वचा को पोषण देंगे और उसे स्वस्थ बनाए रखेंगे, जिससे आपकी त्वचा खिली-खिली रहेगी। स्किन केयर प्रोडक्ट्स खरीदते समय ब्रांड की भरोसेमंदता पर ध्यान दें। अच्छे और नामी ब्रांड

के प्रोडक्ट्स हमेशा बेहतर परिणाम देते हैं। सस्ते या अनजान ब्रांड के प्रोडक्ट्स से बचें क्योंकि इनमें गुणवत्ता कम हो सकती है और ये आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं। अच्छे ब्रांड के प्रोडक्ट्स में गुणवत्ता और सुरक्षा दोनों ही होती हैं, जिससे आपकी त्वचा को सही पोषण मिलता है और वह स्वस्थ रहती है। कोई भी नया स्किन केयर प्रोडक्ट खरीदने से पहले उसकी समीक्षा पढ़ना न भूलें। इससे आपको पता चलेगा कि वह प्रोडक्ट दूसरों पर कैसा काम किया है और क्या उसमें कोई समस्या थी। इसके अलावा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी लोगों की राय देखें ताकि आपको सही जानकारी मिल सके।

इससे आप सही निर्णय ले सकेंगे और अपनी त्वचा के लिए बेहतरीन विकल्प चुन सकेंगे। हमेशा कोशिश करें कि आप अच्छी समीक्षा वाले और भरोसेमंद ब्रांड के प्रोडक्ट्स ही खरीदें। बहुत सारे स्किन केयर प्रोडक्ट्स एक साथ खरीद लेना सही नहीं होता क्योंकि उनका इस्तेमाल करने से पहले ही उनकी एक्सपायरी डेट खत्म हो सकती है। इसलिए जरूरत अनुसार ही प्रोडक्ट्स खरीदें ताकि वे लंबे समय तक सही रहे और आपकी त्वचा को पूरा फायदा मिले। इन बातों का ध्यान रखकर आप अपनी त्वचा की जरूरतों के अनुसार सही स्किन केयर प्रोडक्ट्स का चयन कर सकते हैं और स्वस्थ, चमकदार त्वचा पा सकते हैं।

BRIFF NEWS

CJP joins Rahul, says EC 'fixing' on behalf of BJP



New Delhi, Agency : Slamming the freezing of TMC symbol and name as "fixing" on behalf of BJP, Rahul Gandhi and CJP co-convenor Saurav Das Friday called for a wider political battle to hold Election Commission to account - their programmatic convergence and acerbic tone raising prospects of a Jantar Mantar-like protest. Reactions came in late evening from the CPM general secretary MA Baby and the CPI(M-L)L general secretary Dipankar Bhattacharya.

While Baby told Media that EC "doesn't have a reputation of impartiality any more", Bhattacharya claimed what EC has done is "wrong" and "now with Congress candidate arrested, there is a walkover-like situation for BJP". Bhattacharya's remarks were related to the TMC candidate for the Oct 6 Nandigram bypoll withdrawing after the EC order and Congress nominee's arrest. Taking a jibe at EC, Das said, "'Envelope' symbol for TMC defectors. Envelope me bharr ke kya aaya tha? (what came filled in the envelope?)."

SC questions alcohol prohibition law points to 5 'evils'



New Delhi, Agency : Questioning the efficacy of prohibition, Supreme Court Friday pointed to five "evils" associated with the ban on liquor - revenue loss, money spent on its enforcement, corruption in police, illegal distilling, and result-ant drug menace - while also referring to a number of hooch tragedies in Gujarat and other states over the years.

A bench of Justices J B Pardiwala and K Vinod Chandran said this while quashing Rules 18A and 18B of Maharashtra Poisons Rules restricting purchase of methanol and making it mandatory to add bitterant and colourant to it before selling to non-drug manufacturers. The rules were framed following the deaths of 93 people from spurious liquor containing methanol in Mumbai in 1991.

While allowing the plea of various chemical manufacturing companies, including Indian Chemical Council, the bench dwelled upon the efficacy of the prohibition policy. The court said recent hooch tragedies in Bhavnagar (Gujarat) and Sagar (MP), which claimed 13 and 15 lives respectively, were a reminder for the authorities to wake up and act.

"History bears eloquent testimony to the fact that complete alcohol ban often drives the liquor trade underground, increasing the prevalence of unregulated, lethal brews. The state of Gujarat has a strict prohibition policy... It has witnessed at least 10 major mass hooch tragedies since the state's formation and independence, claiming the lives of over 600 people," the bench said.

Need to state policy intent clearly while notifying rules, guidelines: Official

New Delhi, Agency: There is a need to write the "intent" of policies, regulations and guidelines in brief while notifying them, a move that will bring clarity and communicate what it aims to achieve, suggested D Thara, secretary of newly created department of capital development under the housing and urban affairs ministry.

Speaking at a conference of the real estate sector by Confederation of Indian Industry (CII), Thara said people making policies often assume a policy has



been communicated clearly, only to find that it is interpreted in completely differ-

ent ways by different stakeholders depending on their interests or perceived gains

Uri centre meant for cross-LOC trade will be border tourism hub

Srinagar, Agency: A trade facilitation centre (TFC) at Salamabad in border town Uri, which once facilitated duty-free, cashless barter trade between J&K and Pakistan-occupied Kashmir (PoK), will now be used for border tourism, ending speculation about resumption of trade through the route.

A senior tourism department official confirmed the govt had authorised the department to utilise the TFC located in Baramulla district for tourism-related activities. "The larger objective is to use Salamabad as a gateway to the wider Uri border tourism circuit," the official said. He added that the emphasis will be on "regulated,



responsible and curated border tourism", ensuring that these remain fully aligned with security and administrative requirements.

Salamabad TFC, around 100 km north of Srinagar, was originally established for cross-LoC trade. Following the suspension of such trade in 2019, the facility has remained unutilised for its original purpose.

After improved relations in

2008, both India and Pakistan decided to allow cross-LoC trade and travel on certain conditions as part of confidence-building measures (CBMs). However, in April 2019, the Centre suspended the facilities saying the trade routes were being misused for funneling illegal weapons, narcotics, and fake currency.

"During ongoing investigations of certain cases by NIA, it has been brought out that a significant number of trading concerns engaged in LoC trade are operated by persons closely associated with banned terrorist organisations involved in fuelling terrorism/separatism," a Union home ministry (MHA) release had said then.

Nitin Nabin donates 3 month's salary for flood relief in Bihar

New Delhi, Agency: BJP chief Nitin Nabin Friday donated three months of his salary as Rajya Sabha MP to help efforts to aid flood victims in his home state Bihar, and asserted central and state govts are making every effort to deal with the crisis.

Expressing concern over the flood situation, he said Bihar govt is taking swift action and making adequate arrangements for relief camps, community kitchens, medical facilities and fodder for livestock in the affected areas.

Nabin said Centre and state stand fully committed to supporting the flood-affected families. Every possible assistance, including financial aid, relief camps, and crop damage assess-



ment, is being extended to them, he said. "Fulfilling his responsibility during this time of crisis, he donated Rs 6.35 lakh, three months of his salary as an RS MP, to CM's Relief Fund," a BJP statement said. Nabin also mentioned that Bihar govt has so far provided financial assistance totalling over Rs 550 crore to flood-affected families, at a rate of Rs 7,000 per family.

MHA cites internal security issues to defend FCRA tweak

New Delhi, Agency: Amid the charge from the opposition that Foreign Contribution (Regulation) Amendment Bill targets institutions run by minorities, especially Christians, Union home ministry asserted Friday that the amendments do not regulate charity but the entry of foreign money into a "sovereign space", which Centre is fully entitled to protect, and emphasised the law at its core is a "national-security" legislation.

A team of MHA officials led by home secretary Govind Mohan briefed the joint committee of Parliament - which is scrutinising the bill and held its first meeting - on different facets as it faced questions from MPs, with Mohan insisting the bill is not against any community, sources aware of the details said. He said concerns over national interest, internal security and law and order are the main drivers of the bill. It was introduced by govt in Parliament's budget session and sent to the committee for scrutiny amid stiff protests from opposition parties and Christian groups, who had met home min-



ister Amit Shah to convey their concerns.

After the meeting, the panel's chairperson, Sanjay Jaiswal, expressed confidence that it would be able to submit its report in the winter session of Parliament. MPs from BJP-led NDA and opposition parties presented conflicting views.

BJP's Nishikant Dubey suggested India had a history of foreign money being used to influence issues of national interest and asked why Ford Foundation was allotted prime property in Lodhi Estate when over 1,400 NGOs linked to foreign funding were closed down under different laws before FCRA was enacted in 1976. Rockefeller Foundation was a key financial support behind an elite cultural and intellectual organisation in central Delhi, he said.

US national gets default bail in terror case

New Delhi, Agency: A special NIA court in Delhi Friday granted default bail to the US national arrested in March on terror charges for allegedly helping ethnic armed groups in India and Myanmar, days after the "incomplete" chargesheet filed by the investigating agency dropped charges under UAPA, reports Koushiki Saha.

While granting bail to Matthew Aaron VanDyke, who has spent 180 days in custody, the court noted NIA's failure to complete its probe. It cannot be concluded that the accused is not entitled



to default bail merely because an agency says a probe is far from over, the court said.

VanDyke had sought default bail Thursday, contending that under Section 43D(2) proviso (1) of the anti-terror law, the investigation was required to be completed within 180 days, which ended on Sept 8.

Extremely speedy action by probe agency can create doubt: SC

New Delhi, Agency: The speed at which CBI sprang into action on a bribery complaint and laid a trap within hours to catch a public servant could give rise to suspicion, which, Supreme Court said, could not be brushed aside and had to be examined.

Finding fault with CBI's investigation, Justices Dipankar Datta and N K Singh acquitted the official in a two-decade-old case as he was not caught with the bribe money. It was an intermediary who accepted it and CBI failed to prove it was meant for the accused, SC said.

The complaint made



in 2005 alleged that the accused, working as a divisional security commissioner in Railway Protection Force, had demanded illegal gratification from subordinate officials for transfers and postings. CBI immediately lodged an FIR and laid a trap just hours later, catching the intermediary.

The intermediary, who alleged that he accepted the bribe on behalf of the official, was given a pardon.

SC said since the FIR

was lodged on Aug 4, 2005, at 2pm and CBI decided to lay the trap on the same day, the agency must have verified the authenticity of the complaint before the trap was planned. "It is surprising that CBI started the investigation of a cognisable offence by way of verifying the complaint of bribery even before the formal FIR was lodged... The entire trap was arranged between 2 pm to 4.30pm. While the investigating agency cannot be faulted for organising the trap in such an extraordinarily speedy manner, it can raise certain doubts. The trial court, however, brushed

aside the doubts raised by the appellant," the bench said.

The court said criminality under Prevention of Corruption Act did not arise merely because money changed hands. "Before criminal liability can be fastened upon the public servant, the prosecution must establish by reliable evidence that the intermediary was acting under the authority, direction or for the benefit of the accused and that the demand itself was attributable to the accused. Mere receipt of money by a third person cannot automatically result in criminal liability being imputed to a public servant," it said.

Scottish Sikh gets bail in 7 NIA cases

New Delhi, Agency: Delhi HC on Friday granted bail to British citizen Jagtar Singh Johal, who is charged with targeted killings and conspiracy linked to Khalistan Liberation Force (KLF), taking note of his "long



period of incarceration" and acquittal in one of the cases. News of his bail sparked celebrations at his home in Dumbarton, Scotland, and among UK-based activists who have been campaigning for his release. His brother Gurpreet Singh

Johal, a solicitor in Dumbarton, where Johal's wife Gurpreet Kaur Johal also lives, said, "The past two years have been an expensive rollercoaster, contesting bails at Supreme Court and back to the high court in India. Now, all I can think about is Jagtar walking out of prison.

Where thinking beats mugging up

New Delhi, Agency: Hands hovered over buzzers as students listened intently to each question, ready to hit the button before their competitors. Every few moments, a buzzer broke the silence and another answer was put to the test. But points were not won through recall alone, as the questions pushed students to reason, judge, analyse and think beyond the obvious.

The questions came thick and fast. "If a meteor crashes on the Moon and an astronaut is 1,000km away, when will they hear the sound?" A student



quickly buzzed in with the answer: they wouldn't - sound cannot travel through the vacuum of space. Then came a word puzzle: "Which word becomes shorter when you add two letters to it?" Buzzers went off again. The answer was "short" - add "er" and it becomes "shorter".

That was the scene at the auditorium of DPS RK Puram on Friday as stu-

dents went head to head in the semi-final and final rounds of the AM/NS India Times Critical Thinking Championship 2026, conceived and conducted by Times Foundation. The Nav Ratna prize distribution ceremony was held soon after, during which chief guest Brajesh Pathak, deputy chief minister of Uttar Pradesh, handed over certificates to the

winners.

Pathak, who spoke of the "immense effort" involved in reaching so many schools and students, urged participants to never stop asking questions. "Human beings are not machines meant to follow the same routine. We have the ability to think, understand and show the world a new direction," he said. The championship has been designed to encourage students to move beyond rote memorisation and develop the ability to question, analyse information and arrive at conclusions independently.